04 - ईरान में दोहरा संकट, न अमन, न चैन

05 - रस्म अदायगी न बने आबोहवा की फिक्र

06 - 8233 किसानों ने कराया था पंजीयन, सिर्फ 3812 किसानों ने...

07 - स्कूल शिक्षा मंत्री ने जिले के 28 हजार छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग वि...

A Daily News Magazine

इंदौर

गुरुवार, 15 जनवरी, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 105, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

लगातार दूसरी बार नाकामी और इसरो की प्रतिष्ठा का प्रश्न

पृथ्वी की निगरानी करने वाले सैटेलाइट सहित अन्य उपकरणों और 16 पेलोड लेकर जा रहा एक भारतीय रॉकेट प्रक्षेपण के बाद अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के भरोसेमंद माने जाने वाले प्रक्षेपण यान के लिए एक और झटके के रूप में देखा जा रहा है। पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (पीएसएलवी) को लगभग आठ महीनों में दूसरी बार निराशा हाथ लगी है।

पीएसएलवी-सी62 ने सोमवार सुबह 10:18 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरी। यह ईओएस-ए1 प्रेक्षण उपग्रह के साथ भारत और विदेशों के स्टार्टअप्स के अलावा शैक्षणिक संस्थानों की ओर से विकसित 15 अन्य पेलोड लेकर जा रहा था। इसरो के मिशन नियंत्रण के अनुसार, उड़ान के अधिकांश हिस्से में रॉकेट का प्रदर्शन सामान्य रहा लेकिन बाद में एक अप्रत्याशित गड़बड़ी आई और रॉकेट अपने मार्ग से भटक गया।

इसरो ने अपने एक बयान में कहा, 'पीएसएलवी-सी62 मिशन को पीएस-3 चरण के अंत में एक विसंगति का सामना करना पड़ा। इसका व्यापक विश्लेषण शुरू कर दिया गया है।' हालांकि, बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि वास्तव में क्या गड़बड़ी हुई या रॉकेट अंततः कहाँ पहुँचा।

पीएसएलवी भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का एक प्रमुख आधार रहा है। इसी ने चंद्रयान-1 और आदित्य-एल1 सौर वेधशाला जैसे मिशनों को प्रक्षेपित किया है।यह निजी उद्योगों के लिए अंतरिक्ष निर्माण क्षेत्र खोलने की भारत की पहल की भी रीढ़ मानी जाती है।

अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े विषयों के पत्रकार पल्लव बागला कहते हैं कि पिछले साल का पीएसएलवी-सी61 नाकाम हुआ था तो जांच कमिटी बनाई गई थी और कहा था कि कमियां ठीक कर ली गई हैं लेकिन हर रॉकेट का मामला बिल्कुल अलग होता है। बागला कहते हैं, ''पीएसएलवी-सी62 की नाकामी इसरो के लिए बड़ा झटका है। इस बार सात देशों के सैटलाइट भी थे और नाकामी के साथ ही सारे नष्ट हो गए। इसरो की प्रतिष्ठा के लिए यह चोट ज़रूर है। लेकिन मुझे लगता है कि इसरो मज़बूती से इस मिशन को भविष्य में पूरा करेगा।''

पीएसएलवी-2 सात देशों के सैटेलाइट लेकर जा रहा था। लेकिन मिशन नाकाम रहा। क्या इससे भारत की प्रतिष्ठा को ठेस नहीं पहुंची है?

इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इसरो की प्रतिष्ठा काफी अच्छी रही है। लेकिन पीएसएलवी-62 मिशन में जो नाकामी मिली है इसका विश्लेषण करना होगा। लोगों को समझाना पड़ेगा कि क्या ठीक हुआ और क्या ग़लत। ये बड़ा झटका है। पिछले कुछ समय से मिशन की नाकामी का विश्लेषण करने वाली कमिटी की रिपोर्टों को सार्वजनिक करना बंद कर दिया गया है। पहले रिपोर्ट सार्वजनिक होती थी तो पता चलता था कि क्या कमियां या दिक्कतें आईं और उन्हें ठीक करने के लिए क्या किया गया?''

इसरो के चेयरमैन रहे डॉ. एस. सोमनाथ ने सी-61 मिशन की पिछले साल मई की नाकामी की वजह बताई थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा था, '' मुझे तीसरे चरण के सॉलिड मोटर के विकास के दौरान आई गंभीर चुनौतियों का पूरा अंदाज़ा है। यह एक ऐसा प्रयास था जिसमें कई बार विफलता का सामना करना पड़ा। इस स्तर पर दोबारा ऐसी गड़बड़ी सामने आना असामान्य है। फिर भी, मुझे पूरा विश्वास है कि टीम इसकी मूल वजह को जल्द और प्रभावी ढंग से पहचान लेगी।''

इसरो ने इसके बाद लगभग आठ महीनों तक सभी पीएसएलवी प्रक्षेपणों को रोक दिया और इस दौरान कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपाय लागू किए। कहा गया कि तीसरे चरण के डिज़ाइन को सुदृढ़ किया गया है। लेकिन इस बार भी नाकामी हाथ लगी।

भारत के अंग्रेज़ी अख़बार इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है, ''पिछले साल के मिशन की विफलता का कारण इंजन के कम्बशन चैंबर में दबाव के अचानक गिर जाने को बताया गया था। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने यही कारण बताया था। हालांकि, फेल्योर एनालिसिस कमिटी की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। सोमवार की नाकामी का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह भी इसी तरह का हो सकता है। तीसरे चरण के दौरान, रॉकेट को पृथ्वी के चारों ओर अपनी कक्षा बनाए रखने के लिए बहुत तेज़ी से गति बढ़ानी होती है। हालाँकि यह अंतिम कक्षा नहीं होती है। अगर कम्बशन चैंबर में दबाव गिर जाता है, तो ज़रूरी गति हासिल करने के लिए ज़रूरी बल भी कम हो जाता है।''

अंग्रेज़ी अख़बार 'द हिन्दू' ने अपनी रिपोर्ट में पिछले साल 18 मई को पीएसएलवी-सी61 की नाकामी का कारण बताते हुआ लिखा, ''पीएसएलवी रॉकेट के चार चरण होते हैं। सी61 मिशन में रॉकेट अपने एक्सएल स्थिति में था। इसमें पहले चरण के साथ छह बूस्टर लगे हुए थे।''

''इसका मुख्य पेलोड इओएस-09 सैटलाइट था। यह एक भारी रडार-इमेजिंग सैटलाइट है, जिसे हर मौसम में पृथ्वी की सतह का अवलोकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था और इसका उपयोग आपदा प्रबंधन के साथ रणनीतिक निगरानी के लिए किया जाना था। रॉकेट को इसे लगभग 529 किलोमीटर की ऊँचाई पर सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित करना था।''

द हिन्दू ने लिखा है, ''प्रक्षेपण सामान्य रहा। पहले और दूसरे चरणों ने अपेक्षित रूप से काम किया, योजना के अनुसार अलग हुए और इन चरणों में रॉकेट सही रास्ते पर था। विसंगति तीसरे चरण पीएस-3 के संचालन के दौरान हुई। यह ठोस ईंधन से चलने वाला मोटर है।''

''उड़ान के लगभग 203 सेकंड बाद, टेलीमेट्री डेटा में तीसरे चरण के मोटर के कम्बशन चैंबर के दबाव में तेज़ और अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के कारण इंजन ज़रूरी थ्रस्ट उत्पन्न नहीं कर सका और परिणामस्वरूप रॉकेट अपनी निर्धारित कक्षा तक नहीं पहुँच पाया। इसके बाद इसरो ने मिशन को निरस्त कर दिया और रॉकेट, ईओएस-09 उपग्रह सहित, वापस गिर गया।''

हिन्दू ने लिखा है, ''इसके बाद एक नाकामी विश्लेषण समिति ने जाँच शुरू की और (संभवतः) समस्या को पीएस-3 ठोस मोटर प्रणाली तक सीमित पाया। ऐसा लगता है कि ये दिक्कत तीसरे चरण के नोज़ल या केसिंग प्रणाली में किसी संरचनात्मक या सामग्री संबंधी विफलता से जुड़ा था, जिसके कारण दबाव का नुक़सान हुआ। संदिग्ध तंत्र क्या था? फ्लेक्स नोज़ल नियंत्रण प्रणाली या इन्सुलेशन लाइनिंग में संभावित समस्या, जो दाबयुक्त गैसों को समुचित रूप से रोक नहीं सकी और इस तरह इंजन की शक्ति प्रभावी रूप से 'कम' हो गई।''

(बीबीसी हिंदी की रिपोर्ट के संपादित अंश)

एमपी में कृषि कैबिनेट से तैयार होंगे रोजगार देने वाले उद्योग

सीएम ने कहा- इस बार राजधानी भोपाल में मनाएंगे कृषि लोकरंग

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती-किसानी और हमारी संस्कृति आपस में जुड़े हुए हैं। हमारा पारम्परिक जीवन, कलाएं और बहुरूपी मौखिक परंपराएं कृषि के मूल से ही उत्पन्न होते हैं और यही कृषि लोकरंग मनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि भोपाल सहित प्रदेश के अन्य संभागों और अंचलों में कृषि लोकरंग - 2026 पूरी गरिमा और भव्यता के साथ मनाया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश में कृषि आधारित रोजगारपरक उद्योगों के समावेशी विकास लक्ष्य को लेकर कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार को सीएम हाउस में कहीं। सीएम ने कहा कि किसान कल्याण, स्वाभिमान एवं पर्व कृषि ग्राम सभा जैसे आयोजन सहित कृषि से जुड़े उन्नत उपकरणों के क्रेता-विक्रेताओं का सम्मेलन, कृषि उत्सव और किसान मेले भी आयोजित किए जाएंगे। किसानों को सरकार की हर योजना का लाभ दिलाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि सभ्यता हमारी परम्पराओं से भीतर तकजुड़ी हुई है, इसलिए ग्रामीणों, युवाओं और विद्यार्थियों को भी भावनात्मक रूप से खेती-किसानी से जोड़ा जाए। सफल किसानों के एग्री बिजनेस मॉडल भी बताए जाएं, ताकि दूसरे किसान भी इनसे प्रेरणा लें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कृषि लोकरंग वास्तव में ग्राम पंचायतों एवं विकासखंड स्तर पर नागरिकों और युवाओं को खेती से जोड़ने और इसके व्यापक लोकव्यापीकरण का प्रयास है।

किसानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय

लोकरंग के दौरान प्रदेश के बड़े कस्बों और बड़े शहरों में सरकार द्वारा कृषि और किसानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी सांस्कृतिक एवं नाट्य प्रस्तुतियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि हमारी सहज परम्पराओं और धार्मिक अनुष्ठानों को भी कृषि से जुड़े विषयों से जोड़ा जाए। कार्यक्रम ऐसे हों, जिसमें जनता का सहज जुड़ाव हो। लोकरंजन के कार्यक्रमों को नीचे से क्रियान्वित कर ऊपर तक लाया जाए, इससे नागरिकों में कृषि के प्रति एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि लोकरंग को जन-जन का उत्सव बनाने के लिए आकर्षक देशी वेशभूषा जैसे पगड़ी, धोती, साफा आदि सहित पुराने देशज बीज संग्रहण/संचयन के प्रोत्साहन से जुड़ी प्रतियोगिता, लखपति किसानों की प्रतियोगिता, अच्छी नर्सरी और बगीचे वालों की प्रतियोगिता और सायकिल प्रतियोगिता जैसे आयोजन भी किए जाएं।

आठ महीने बाद तेजप्रताप की लालू फैमिली में वापसी

- दही-चूड़ा भोज में पहुंचे लालू, बोले-अब वो साथ ही रहेंगे

पटना (एजेंसी)। तेजप्रताप ने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा है। लालू यादव इस भोज में पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा कि वो तेजप्रताप से नाराज नहीं है। वो परिवार के साथ ही रहें। तेजप्रताप के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि, बेटे को हमेशा आशीर्वाद रहेगा। 8 महीने पहले तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड के साथ फोटो सामने आने के बाद लालू ने तेजप्रताप को घर और पार्टी से निकाला था। तेजप्रताप के दही चूड़ा भोज में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, बड़े मामा प्रभुनाथ यादव, साधु यादव और चेतन आनंद भी पहुंचे हैं। अभी तक तेजस्वी-राबड़ी इस भोज में शामिल नहीं हुए हैं। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मंगलवार को अपने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा। इस भोज में तेजप्रताप यादव भी शामिल हुए। इस दौरान विजय सिन्हा से जब सवाल किया गया कि तेजप्रताप को आप एनडीए में आने का निमंत्रण देंगे। इस पर विजय सिन्हा ने कहा, वक्त पर सब पता चल जाएगा। वहीं तेजप्रताप ने भी कहा कि समय आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा।

दूषित पानी से मृत लोगों के परिजन से मिलेंगे राहुल

17 को इंदौर आएंगे, कांग्रेस उपवास करेगी

भोपाल। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 17 जनवरी को इंदौर आएंगे और दूषित पानी से प्रभावित परिवारों से मिलेंगे। इस दिन कांग्रेस मध्य प्रदेश में मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर विरोध प्रदर्शन करेगी। प्रदेश के हर ब्लॉक में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सामूहिक उपवास रखेंगे। साथ ही गांधी प्रतिमाओं के सामने धरना देकर भजन गाएंगे। इस दौरान इंदौर जल कांड में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि राहुल गांधी के इंदौर आगमन की तारीख एआईसीसी (ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी) की तरफ से तय हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसकी पुष्टि कर दी है। इंदौर में दूषित पानी के कारण अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले को लेकर एमपी कांग्रेस ने 11 जनवरी को इंदौर में न्याय यात्रा का आयोजन किया था।

स्वास्थ्य विभाग की टीम कर रही सर्वे

मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के 187 सदस्यों ने भागीरथपुरा में सर्वे किया। महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गईं। ब्लड प्रेशर, शुगर और एनीमिया की जांचें भी की गईं। पिछले तीन दिन में कुल 16208 नागरिकों की जांच की जा चुकी है। इसमें 278 लोगों को हाई ब्लड प्रेशर और 161 लोग डायबिटीज के मिले। आशा कार्यकर्ताओं ने रहवासियों को समझाइश दी कि पानी को उबाल कर ही पीएं और यदि उपचार चल रहा है तो दवाइयों का डोज पूरा करें।

- **टेस्टिंग के लिए आधा घंटा वाटर सप्लाई**-मंगलवार को वाटर सप्लाई शुरू कर सैंपल लिए जाने थे, लेकिन दिनभर यह नहीं हो सका। हालांकि, अलसुबह निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल भागीरथपुरा पहुंच गए थे और टीम को दिशा-निर्देश भी दिए थे। दिनभर इसका कारण स्पष्ट नहीं हुआ। टीम ने बताया कि मुख्य पाइप लाइन से अभी कुछ कनेक्शन काटे जाना है। शाम 6.30 बजे फिर टंकी से वाटर सप्लाई शुरू हुआ।

शरद की सुबह

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा,
जिसमे भी मिल जाए वह मन जैसा।

जल विहीन हो तो वो,
ताल- तलैया, सूरसागर और शंभर कैसा।

आचमन करें जिसका,
सलिल,उदक, नीर हो वैसा।

मंथन कर पाया जिसने विष -अमृत से,
रंभा और मोहिनी रूप जैसा।

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा,
निर्बल करें,पाप-पुण्य के सेतु को
वो,ढंग सिखाए, जग को जो ऐंसा।

- देवेंद्र काशिव

सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी के बाद घी घोटाला

- केरल हाईकोर्ट ने विजिलेंस को दिया जांच का आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल हाई कोर्ट ने मंगलवार को सबरीमाला मंदिर में 'आदिया सिष्टम घी' की बिक्री से जुड़ी धांधली पर बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने विजिलेंस जांच का आदेश दिया है। इसमें लाखों रुपये की गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। जस्टिस वी राजा विजयराघवन और के वी जयकुमार की बेंच ने सबरीमाला स्पेशल कमिश्नर की रिपोर्ट पर यह फैसला लिया है। रिपोर्ट में घी की बिक्री से मिले पैसे की हेराफेरी का जिक्र है और कोर्ट ने इसे गंभीर मानते हुए जांच की मांग मंजूर की है। कोर्ट ने बताया कि नवंबर 17, 2025 से दिसंबर 26, 2026 तक और दिसंबर 27, 2025 से जनवरी 2, 2026 तक की अवधि में करीब 35 लाख रुपये की धांधली हुई है। विजिलेंस डायरेक्टर को निर्देश दिया गया है कि वे योग्य अधिकारियों की टीम बनाएं और ट्रावणकोर देवास्वोम बोर्ड (टीडीबी) के चीफ विजिलेंस एंड सिक्योरिटी ऑफिसर की रिपोर्ट पर क्राइम दर्ज करें। विजिलेंस टीम को एक महीने के अंदर प्रोग्रेस रिपोर्ट सौंपनी होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि फाइनल रिपोर्ट कोर्ट की इजाजत के बिना ज्यूरिस्डिक्शनल कोर्ट में दाखिल नहीं होगी।

दिग्विजय सिंह की मंशा, संगठन मजबूती या व्यक्तिगत विराम

- हेमंत पाल

(स्थानीय संपादक 'सुबह सवेरे' इंदौर)

मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का राज्यसभा सीट छोड़ने की घोषणा प्रदेश कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण मोड़ है। उनका अप्रैल 2026 में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। लेकिन, उन्होंने उससे पहले घोषणा कर दी, कि वे तीसरी बार उच्च सदन में नहीं जाएंगे। दिग्विजय सिंह ने इसे पूरी तरह अपना व्यक्तिगत निर्णय बताया। लेकिन, इसे महज 'व्यक्तिगत' से कहीं आगे की रणनीति माना जा रहा है। दिग्विजय सिंह की लंबी राजनीतिक पारी रही है। वे मध्य प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और राज्यसभा के दो कार्यकाल पूरे कर चुके। तीसरे कार्यकाल को लेकर उनका बयान इसे एक सोची-समझी रणनीति के रूप में देखने को मजबूर करती है। समझा जा रहा कि क्या यह जमीनी राजनीति में वापसी की तैयारी है! यदि वास्तव में यही मंशा है तो इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता कि यह क़ाबलियत सिर्फ दिग्विजय सिंह में ही है।

दिग्विजय सिंह की मंशा को समझने के लिए उनके बयान को ही आधार बनाएं तो बात ज्यादा स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि वे भविष्य में प्रदेश कांग्रेस को मजबूत करने पर फोकस करेंगे। यह संकेत देता है, कि वे राज्यसभा के बजाए प्रदेश स्तर की जमीनी राजनीति में सक्रिय होंगे। मध्य प्रदेश में कांग्रेस की स्थिति कमजोर है, इससे इंकार नहीं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 163 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को महज 66 सीटें ही मिलीं। दिग्विजय सिंह का संगठन में प्रभाव हमेशा रहा है। उनकी मंशा शायद 2028 के विधानसभा चुनावों की तैयारी होगी। राज्यसभा में रहते हुए वे राष्ट्रीय मुद्दों जैसे संवैधानिक प्रक्रियाओं और जनसहमति पर बोलते रहे, लेकिन प्रदेश में उनकी सक्रियता कम थी। लेकिन, यह पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर निर्भर है कि वे दिग्विजय सिंह के इस कदम का किस तरह उपयोग करते हैं!

उनके ताजा फैसले से यह भी समझा जा रहा कि वे संगठन को मजबूत कर कमलनाथ जैसे सीनियर नेताओं के साथ तालमेल बैठा सकते हैं। यह फैसला कांग्रेस में 'परिवर्तन' का संदेश भी देता है, जहां वरिष्ठ नेता पीछे हटकर युवाओं को जगह देते हैं। 78 साल के दिग्विजय सिंह का यह कदम पार्टी में 'सेवानिवृत्ति जैसा' दिखता है, लेकिन वास्तव में यह 'मेंटर भूमिका' ग्रहण करने की रणनीति भी हो सकती है। कुल मिलाकर उनकी मंशा

संगठन पुनरुद्धार और व्यक्तिगत छवि को 'त्यागमयी नेता' के रूप में चमकाने की भी लगती है।

दिग्विजय सिंह ने कार्यकाल पूरा होने का इंतजार करने के बजाए जो बयान दिया, वो उनका रणनीतिक धैर्य है या मजबूरी, फ़िलहाल यह नहीं कहा जा सकता। कहा यह भी जा रहा है, कि यदि उन्हें उच्च सदन की सीट छोड़नी थी, तो कार्यकाल समाप्ति से पहले क्यों नहीं? अप्रैल तक इंतजार करने का कारण क्या रणनीतिक है। लेकिन, इस सच्चाई से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि यदि वे छह महीने या सालभर पहले राज्यसभा की कुर्सी छोड़ देते, तो भाजपा उतने ही कार्यकाल के लिए चुनाव करवाकर सीट कांग्रेस से छीन भी सकती थी।

इसके अलावा, मध्य प्रदेश में आगामी लोकसभा उपचुनाव या स्थानीय निकाय चुनावों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। इससे नए दावेदारों को भी अपनी लॉबिंग करने का मौका मिल गया। इससे पार्टी में नई चर्चा छिड़ गई। फ़िलहाल यही कहा जा सकता है कि इंतजार धैर्यपूर्ण रणनीति है, जो व्यक्तिगत हानि कम करता है और राजनीतिक लाभ अधिक देता है। कांग्रेस हाईकमान मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की रणनीति युवा चेहरों को बढ़ावा देना है। यदि यही होना है, तो दिग्विजय सिंह को इसका इशारा भी मिल गया होगा, जिसका खुलासा दिग्विजय सिंह की जगह लेने वाले नए चेहरे से मिल जाएगा! 2024 लोकसभा चुनावों के बाद पार्टी ने राज्यसभा में पुराने नेताओं को टिकट भी कम दिए। इसे देखते हुए दिग्विजय सिंह को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जाना एक तरह से मुश्किल भी था। क्योंकि, मध्य प्रदेश से कांग्रेस के पास सीमित एमएलए हैं। दिग्विजय सिंह इसे भांप भी चुके होंगे। 2022 में भी उनके नाम पर विवाद हुआ था। उनका यह फैसला 'माहौल बनाने' की रणनीति भी हो सकता है। दिग्विजय प्रदेश कांग्रेस को नेपथ्य से नेतृत्व देकर उसे मजबूत कर राहुल गांधी को संदेश दे सकते हैं कि 'मैं अभी रिटायर नहीं हुआ।'

यह कदम संगठन में उनकी प्रासंगिकता बनाए रखता है। दिग्विजय सिंह की मंशा संगठन को मजबूती, छवि निर्माण और केंद्रीय नेतृत्व को संदेश देने की लगती है। उनका तीसरे कार्यकाल का इंतजार रणनीतिक है। शायद वे हाईकमान की मंशा भांप चुके होंगे, इसलिए भी उन्होंने समय से पहले यह घोषणा कर अपनी राजनीतिक परिपक्वता का परिचय दे दिया। यह फैसला कांग्रेस के लिए बदलाव का संकेत भी समझा जा सकता है। जो भी हो, लेकिन दिग्विजय सिंह का राज्यसभा के तीसरे कार्यकाल से विरक्ति उन्हें चर्चा में तो बरकरार रखेगी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 15 जनवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कम स्नोफॉल से नदियों पर छाए संकट के बादल

- हिंदू-कुश हिमालय में 23 साल की सबसे कम बर्फबारी
- संकट! खतरे में पड़ सकता है एशिया का 'वॉटर टावर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन दुनिया की वो हकीकत बन चुकी है, जिससे

मुंह फेरना नामुमकिन है। धरती के बढ़ते तापमान का असर मौसम पर साफ देखने को मिल रहा है। देर से दस्तक देती ठंड, पहाड़ों पर पिघलती बर्फ और समुद्र का बढ़ता जलस्तर चीख-चीख कर आने वाली आपदा के संकेत दे रहे हैं। इसी बीच हिंदू- कुश हिमायलय का चौंकाने वाला डेटा सामने आया है, जिसने क्लाइमेट चेंज पर एक बार फिर मुहर लगा दी है। इंटरनेशनल सेंटर ऑफ इंटिग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट ने हिंदू-कुश पर्वत का सैटेलाइट डेटा पेश किया है। इसके अनुसार, पिछले दो दशकों में इस बार हिमालय पर सबसे कम बर्फबारी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 23 सालों में इस बार स्नो सीजन बेहद कम रहा है।

सिद्धा ने कर्नाटक में राहुल गांधी से मांगी क्लेरिटी

- कहा-सीएम पद पर जारी कन्फ्यूजन से काम करना मुश्किल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर चल रहा द्वंद्व अब दिल्ली के दरबार तक पहुंच गया है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने राहुल गांधी से संपर्क कर राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर स्थायी समाधान निकालने का आग्रह किया है। सिद्धारमैया

का कहना है कि नेतृत्व को लेकर जारी निरंतर भ्रम के कारण शासन और कैबिनेट विस्तार के कार्यों में बाधा आ रही है। आपको बता दें कि मंगलवार को मैसूर एयरपोर्ट पर राहुल गांधी और सिद्धारमैया के बीच हुई संक्षिप्त मुलाकात के बाद यह मुद्दा और गरमा गया है। राहुल गांधी तमिलनाडु से लौटते समय मैसूर में रुके थे, जहां मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों ने उनकी अगवानी की। हालांकि, सार्वजनिक रूप से सिद्धारमैया ने किसी भी राजनीतिक चर्चा से इनकार किया है।

पीएम मोदी ने केंद्रीय मंत्री के घर मनाया पोंगल

- रीति-रिवाज से की पूजा-अर्चना,कहा-ये अब ग्लोबल त्योहार

तमिल संस्कृति को भारत और मानवता की साझा विरासत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोंगल का त्योहार मनाया है। इस मौके पर पीएम मोदी केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन के घर पहुंचे और वहां सभी रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री ने सभी देशवासियों को पोंगल की बधाई देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति, परिवार और समाज के बीच संतुलन स्थापित करने का मार्ग दिखाता है। पीएम मोदी ने इस त्योहार के मौके पर तमिल रीति-रिवाजों से पूजा की। इसके बाद गाय और गाय के बछड़े को चारा खिलाया और उनकी भी माला पहनाकर पूजा की। प्रधानमंत्री ने इस त्योहार के महत्व को बताते हुए कहा, यह त्योहार (पोंगल) प्रकृति, परिवार और समाज के बीच संतुलन स्थापित करने का मार्ग दिखाता है। इस समय देश के विभिन्न हिस्सों में लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू और अन्य त्योहारों को लेकर उत्साह का माहौल है। भारत और दुनिया भर में रहने वाले सभी तमिल भाइयों और बहनों को मेरी ओर से पोंगल और सभी त्योहारों की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी ने पोंगल के पर्व पर कहा, मेरे लिए यह भी एक बहुत सुखद अनुभव रहा।

थाईलैंड में ट्रेन पर गिरी क्रेन, 30 लोगों की मौत

- 80 से ज्यादा घायल,ज्यादातर स्कूली छात्र

65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा,डिब्बे उतरे

थाईलैंड (एजेंसी)। थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। एजेंसी के मुताबिक हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 80 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी। न्यूज वेबसाइट 'नेशन थाईलैंड' के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई। हादसे के कुछ मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल

ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। कई यात्री डिब्बों में फंसे हुए थे, जिन्हें कटिंग और स्प्रेडिंग उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया। अब तक 12 शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रशासन और रेलवे अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्रेन क्यों गिरी और सुरक्षा नियमों का पालन हुआ या नहीं। स्थानीय लोग और परिवार इस दुखद घटना से सदमे में हैं।

25 भैरव बटालियनों को सेना में किया जाएगा शामिल

- दुश्मन के लिए ये है भारत का अचूक प्लान, चीन-पाक सन्न!

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत लगातार अपनी सैन्य ताकत में विस्तार कर रहा है। भारतीय सेना के शूरवीर आकाश, जमीन और समुद्र में दुश्मनों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। सेना को और मजबूत बनाने के लिए अरबों डॉलर डिफेंस डील पर बातचीत जारी है। इसी बीच सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सेना में शामिल होने वाली नई बटालियनों के बारे में जानकारी दी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया की सेना की युद्ध क्षमता को मजबूत करने के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। जिसमें भैरव लाइट कमांडो बटालियन, शक्तिबाण रेजिमेंट, दिव्यास्त्र तोपखाना रेजिमेंट और अश्विनी प्लाटून जैसी नई इकाइयों का गठन शामिल है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि भारतीय सेना में 25 भैरव बटालियनों को शामिल किया जा रहा है, इसके साथ ही शक्ति बाण की 15 बटालियन शुरुआती तौर पर शामिल की जाएंगी। इसके बाद शक्ति बाण रेजिमेंट की 11 और बटालियनों को सेना में शामिल किया जाएगा।

तेलंगाना के गांवों में हफ्तेभर में 500 कुत्तों की कर दी हत्या

- 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, पुलिस ने की जांच शुरू

पंचायत चुनावों में आवारा कुत्तों से छुटकारे का वादा किया था

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के गांवों में ग्राम पंचायत चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर आवारा कुत्तों को मारने के मामले सामने आए हैं। बीते एक हफ्ते में अलग-अलग जिलों के गांवों में करीब 500 कुत्तों की कथित तौर पर हत्या की गई है। पुलिस के मुताबिक, इन घटनाओं में पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका सामने आ रही है।

ताजा मामला कामारेड्डी जिले का है। यहां पालवंचा मंडल के 5 गावों- भवानीपेट, पालवंचा, फरीदपेट, वाड़ी और बंदारामेश्वरपल्ली गांवों में बीते दो-तीन दिनों में करीब 200 आवारा कुत्तों को मारने का आरोप है। पुलिस ने पांच सरपंचों सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे पहले, हनमकोंडा जिले के श्यामपेट और अरेपल्ली गांवों में 6 जनवरी से 9 जनवरी के बीच लगभग

300 आवारा कुत्तों की हत्या का मामला सामने आया था। पुलिस ने इस संबंध में दो महिला सरपंचों और उनके पतियों सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। गांवों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में ग्राम पंचायत चुनाव हुए थे। इस दौरान कुछ उम्मीदवारों ने आवारा कुत्तों और बंदरों की समस्या से निपटने का वादा किया था। आरोप है कि चुनाव जीतने के बाद वही वादे कुत्तों को मारकर पूरे किए जा रहे हैं। एनिमल वेलफेयर एक्टिविस्ट अदुलापुरम गौथम ने मछारेड्डी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पीएम मोदी होंगे नितिन नबीन के प्रस्तावक !

बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्विरोध चुनाव की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी को 20 जनवरी,2026 को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने जा रहा है। बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि इसी दिन बीजेपी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, जेपी नड्डा की जगह बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यभार संभालेंगे। यानी इससे पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर चुने जाने के लिए नितिन नबीन 19 जनवरी को नामांकन दाखिल करेंगे और माना जा रहा है कि उनके खिलाफ और कोई भी नेता नामांकन नहीं भरेगा, जिससे उनका निर्विरोध चुनाव जीतना तय है। एक रिपोर्ट में पहले ही बता दिया गया था कि बीजेपी को मकर संक्रांति के बाद 20 जनवरी तक नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इस खबर पर मुहर लगी है और बीजेपी को नितिन नबीन के रूप में इसी दिन नया अध्यक्ष मिलने जा रहा है। सूत्रों ने बताया है कि नितिन नबीन के नामांकन में प्रस्तावकों में एक नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी हो सकता है। संभावना है कि 19 जनवरी को ही बीजेपी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के चुने जाने की औपचारिक घोषणा हो जाएगी। इस दौरान पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय मंत्री, बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, पार्टी के वरिष्ठ राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष शामिल रहेंगे।

नक्सल मुक्त के बाद अब 'अर्बन नक्सल' मुक्त अभियान

'अर्बन नक्सलियों' के खिलाफ भी केन्द्र की सरकार हुई ऐक्टिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक भारत को नक्सल-मुक्त बनाने का टारगेट तय कर रखा है, जो समय पर पूरा होने का भरोसा है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने देश से वामपंथी उग्रवाद के सफाए के बाद की योजना पर भी काम शुरू कर दिया है। इसके लिए 10 सूत्री रोड मैप तैयार किया गया है, ताकि जो इलाके नक्सलियों और माओवादियों से आजाद कराए गए हैं, उनपर वे दोबारा कब्जा न कर सकें। इस रोड मैप में अर्बन नक्सलियों का पूरी से सफाया भी एक बहुत बड़ा एजेंडा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च, 2026 को जब सरकार भारत के नक्सल मुक्त होने की घोषणा कर देगी, उसके बाद की स्थिति के लिए उन क्षेत्रों के विकास के लिए कई तरह की योजनाओं पर एक साथ अमल शुरू किया जा रहा है। इसके तहत जो भी सरकारी योजनाएं वहां नहीं पहुंच पाई हैं या आधी-अधूरी हैं, उनपर पूर्ण रूप से अमल पर जोर दिया जा रहा है। इस 10 सूत्री रोड मैप में खतरनाक इलाके शामिल हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास पर फोकस

मसलन, सरकार सबसे पहले उन 38 प्राथमिकता वाले जिलों पर फोकस करेगी, जो अब तक नक्सलवाद की वजह से पिछड़े, गरीब और अशिक्षत रह गए हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि केंद्र सरकार की सभी 137 योजनाएं यहां तेजी से पहुंचें और उससे क्षेत्र के लोग जल्द से जल्द लाभांवित हों। इसके लिए सभी तरह की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी अपनाई जा रही है। इसी तरह से आजीविका का एक्शन प्लान भी तैयार है। इसकी मदद से प्रत्येक परिवार की मासिक आय 25,000 से 30,000 तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

हाथ से सिलकर बना जहाज भारत से ओमान पहुंचा

इसमें बिजली नहीं थी,मटके में पानी ले गए थे,खिचड़ी-अचार खाकर 18 दिन बिताए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में हाथ से सिलकर तैयार हुए पारंपरिक जहाज आईएनएस 'कौंडिन्य' ने 18 दिन की समुद्री यात्रा के बाद ओमान के मस्कट पहुंचकर अपना ऐतिहासिक सफर पूरा कर लिया। बुधवार को जहाज के मस्कट तट के पास पहुंचने की पुष्टि हुई। जहाज पर कमांडर विकास श्योराण के नेतृत्व में 16 सदस्यीय क्रू मेंबर्स सवार थे। कौंडिन्य 29 दिसंबर, 2025 को गुजरात के पोरबंदर से अपनी पहली विदेशी यात्रा के लिए रवाना हुआ

था। यात्रा लगभग 15 दिनों में पूरी होने वाली थी। हालांकि, इसमें 18 दिन लगे। जहाज पर कोई कमरा नहीं बना था। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी। अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने ओमान पहुंचने की जानकारी दी।

- **कौंडिन्य का डिजाइन अजंता गुफा की एक पेंटिंग पर आधारित-** 'कौंडिन्य' का डिजाइन अजंता गुफाओं की 5वीं सदी की एक पेंटिंग पर आधारित है। गोवा की एक कंपनी ने करीब 2000 साल पुरानी टांका पद्धति से इस जहाज का निर्माण किया है। लकड़ी के तख्तों से बने इस जहाज को नारियल के रेशे से सिला गया है। इसमें कहीं भी कीलों का इस्तेमाल नहीं हुआ है। जहाज में न तो इंजन है और न ही जीपीएस। इसमें चौकोर सूती पाल और पैडल लगे हैं।

कौंडिन्य भारत की समुद्री खोज और व्यापार का प्रतीक

जहाज का नाम पहली सदी के प्रसिद्ध भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने हिंद महासागर पार कर मेकांग डेल्टा तक यात्रा की थी और वहां एक कंबोडियाई राजकुमारी से शादी की थी। यह जहाज भारत की समुद्री खोज, व्यापार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की परंपरा का प्रतीक माना जा रहा है। भारत के प्राचीन जहाज निर्माण कौशल को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने साल 2023 में प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। जिसके बाद संस्कृति मंत्रालय, भारतीय नौसेना और गोवा की निजी बोट बिल्डर कंपनी होड़ी इनोवेशंस के बीच त्रिपक्षीय समझौता हुआ।

महिला से छेड़छाड़ के बाद हिंदू संगठनों ने थाने में नारेबाजी की

इंदौर। डीमार्ट में महिला अपने पति के साथ खरीदी कर रही थी। तभी कुछ मनचलों ने महिला से छेड़छाड़ की दंपति ने मामले की जानकारी हिंदू वादी संगठन को दी। इसके बाद हिंदू संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ता सोमवार रात चंदन नगर थाने पहुंचे। यहां उन्होंने नारेबाजी की। बाद में पुलिस ने पीड़ित दंपति की लिखित शिकायत दर्ज की। पुलिस के अनुसार, महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वह अपने पति के साथ डी-मार्ट में टाई सेक्शन के पास खड़ी थीं। शाम करीब साढ़े छह बजे के बीच पीछे से आए तीन युवकों में से एक ने बुरी नीयत से महिला के पैर को छुआ। महिला ने तुरंत अपने पति को इसकी जानकारी दी। दंपती ने युवक को रोका और उसकी बदतमीजी के बारे में पूछा तो विवाद शुरू हो गया। इसके बाद दंपति ने 112 नंबर पर कॉल की। मौके पर पहुंची एफआरवी टीम ने जानकारी लेने के बाद छेड़छाड़ करने वाले तीनों युवकों को दबोचा। पहले उन्हें जमकर फटकार लगाई और फिर पुलिस के हवाले किया। उधर, पीड़िता का आरोप है कि तीनों युवक उसे और उसके पति को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे थे। बाद में तीनों को एफआरवी में बैठाकर महिला और उसके पति थाने पहुंचे और मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने अम्मार नगर के रहने वाले सिद्दकी खान, साहिल खान और फैजान खान को गिरफ्तार किया है।

राशन लेने निकली महिला को बस ने टक्कर मारी, मौत हुई

इंदौर। अंधगति से आ रही बस ने सड़क पार कर रही महिला को टक्कर मार दी। गंभीर घायल महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वह घर से राशन लेने निकली थी, तभी हादसे की शिकार हो गई। हादसे के बाद लोगों ने बस को रोक लिया, लेकिन राहगीरों को चकमा देकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। राऊ थाना पुलिस के अनुसार मृत महिला का नाम विद्या पाटीदार है, जो राऊ की रहने वाली थीं। वह घर से राशन लेने कंट्रोल की ओर जा रही थीं। थाने के सामने सड़क पार करते समय बस ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना सोमवार दोपहर एक बजे की है। हादसे के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। परिजनों ने बताया कि विद्या के पति भागीरथ पाटीदार का करीब 12 साल पहले बीमारी से निधन हो चुका था। उनके इकलौते बेटे राकेश की भी कोरोना काल में मौत हो गई थी। परिवार में अब बहू और 15 साल का पोता है। बहू निजी काम करके परिवार का पालन-पोषण कर रही है। बस इंदौर से खलघाट की ओर जा रही थी। थाने के सामने सवारी उतारकर आगे बढ़ी तभी महिला चपेट में आ गई थी। थाने के सामने लगातार हादसे हो रहे हैं। पुलिस के सामने ही उपनगरीय और यात्री बसें सरपट गति से दौड़ती है, लेकिन थाने के जवान मूकदर्शक बने रहते हैं। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर बस जब्त कर ली है।

गंदगी में चल रही बेकरी, किचन बंद कराया

इंदौर। अनुविभागीय अधिकारी महू के संयुक्त दल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को गवली पलासिया महू स्थित ददू बेकरी की जांच की तथा मैदा खोपरा बुरा बेक्ड समोसा एवं स्ट्रॉबेरी केक के नमूने लिए गए। मौके पर बेकरी के किचन में गंदगी पाई जाने पर सुधार किए जाने तक कारोबार बंद कराया गया। साथ ही नारायण डेयरी आकवी तहसील मऊ पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाकर पनीर, पामोलिन तेल एवं अज्ञात सफेद पदार्थ के नमूने लिए गए। मौके पर पामोलिन तेल एवं अज्ञात सफेद पदार्थ को जब्त किया गया। साथ ही डेयरी यूनिट को सुधार किए जाने तक खाद्य कारोबार बंद कराया गया। नमूने लेकर मौके पर 118 लीटर रिफाइंड पाम आयल एवं 40 किलो अज्ञात सफेद पाउडर सील किया गया। कलेक्टर ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। लिए गए सभी नमूनों को विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल की ओर भेजा जा रहा है, जिनकी विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्ति उपरांत अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

कैफे पर मुलाकात के बाद ठगी

इंदौर। पुलिस की समझाइश के बाद भी ठगी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही। ठग लगातार नए-नए तरीके से लोगों को झांसे में ले रहे हैं। क्राइम ब्रांच ने दो ऐसे ठगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जिन्होंने लोन दिलाने का झांसा देकर मां-बेटे के नाम से बैंक खाते खुलवाए और उन खातों का इस्तेमाल डिजिटल अरेस्ट, एडवाइजरी से जुड़ी ठगी की रकम के लेनदेन में किया। सिरपुर बांक निवासी शादाब खान ने शिकायत दर्ज बताते हुए बताया कि करीब पांच महीने पहले शादाब की मुलाकात कैफे में विष्णु परमार से हुई थी। विष्णु ने लोन दिलाने की बात कहकर शादाब और उसकी मां अनीसा बी के दस्तावेज ले लिए। इसके बाद आरोपियों ने इंडियन बैंक और यूको बैंक में खाते खुलवाए, लेकिन लोन कभी मंजूर नहीं कराया। जब बलसाड़ पुलिस ने इन खातों में संदिग्ध रकम आने की जांच शुरू की, तब पूरे फजीवाडे का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया है कि आरोपी पहले भी इसी तरह लोगों के खातों का गलत इस्तेमाल कर चुके हैं। क्राइम ब्रांच अब पूरे गिरोह की पड़ताल कर रही है। बता दें, पिछले दिनों क्राइम ब्रांच ने डिजीटल अरेस्ट मामले में कुछ आरोपियों को पकड़ा था। इसके बाद डिजीटल अरेस्ट के मामलों में कमी आई है।

कारों और गुमटियों में तोड़फोड़ पर गिरफ्तार

इंदौर। शराब के नशे में तीन युवकों को हंगामा करना महंगा पड़ गया। पुलिस ने तीनों को कारों और गुमटियों में तोड़फोड़ करने के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। घटना भंवरकुआ थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी इलाके की है, जहां चौकीदार के साथ भी बदमाशों ने मारपीट की। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जोन चार के पुलिस उपायुक्त आनंद कलादगी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की जांच में आरोपी आशु, रोनी और विक्की नाम के आरोपियों की पहचान की गई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने चार से अधिक कारों में तोड़फोड़ की थी। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वे इससे पहले भी ऐसी किसी वारदात में शामिल रहे हैं या नहीं। इलाके में घटना के बाद से रहवासियों में आक्रोश का माहौल है।

युवक ने प्रेम प्रसंग में फांसी लगाई

इंदौर। प्रेम प्रसंग के चलते युवक ने परेशान होकर फांसी लगा ली। युवक टैक्सी ड्राइवर था। उसका दोस्त रात में कमरे में पहुंचा तो वह फंदे पर लटका हुआ देखा। इसके बाद हीरानगर पुलिस को जानकारी दी। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले युवती ने उसके खिलाफ नरसिंहपुर जिले में महिला संबंधी शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद युवक इंदौर आकर रहने लगा और संभवतः इसी कारण तनाव में था। पुलिस के अनुसार, बंटी (25) पिता पर्वत सिंह मेहरा निवासी कबीटखेड़ी ने अपने कमरे में फांसी लगाई। बंटी मूल रूप से नरसिंहपुर का रहने वाला था और चार दिन पहले ही किराए के कमरे में अपने दोस्त के पास रहने आया था। अमित ने बताया कि इससे पहले बंटी बाणगंगा इलाके में रहता था। उसके परिवार में पिता और भाई हैं। बंटी ने उसे युवती के प्रकरण के कारण घर छोड़ना पड़ा, यह भी बताया था। टीआई सुशील पटेल के अनुसार, अभी तक बंटी के पिता से बात नहीं हो पाई है।

चीनी मांझे से पतंगबाजी करने वालों को पांच साल की सजा का प्रावधान

दुकानदारों पर कार्रवाई, कलेक्टर का प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर। पतंगबाजी में चाइना धागे का उपयोग करने पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने प्रतिबंध लगाया है। इस संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश पूर्व में 25 नवंबर को भी जारी किया गया था। इसके बावजूद देखने में आया कि कुछ लोग चोरी-छिपे चायना धागे का उपयोग कर पतंगबाजी कर रहे हैं और इसे बेच रहे हैं। पतंगबाजी में उपयोग होने वाले चायना (नायलॉन/सिंथेटिक) धागे के कारण इंदौर में तीन लोगों की जान चली गई है। कई मामलों में पक्षी चायना धागे में उलझकर घायल हुए हैं तथा कुछ प्रकरणों में उनकी मृत्यु भी हुई है। इसी प्रकार, सड़क पर चलने वाले राहगीरों एवं वाहन चालकों के लिए भी यह धागा अत्यंत घातक सिद्ध हुआ। इससे बिजली सप्लाई की व्यवस्था भी कई बार प्रभावित हुई।

पांच साल की सजा और जुर्माना

परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिबंध में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 106(1) के अंतर्गत उतावलेपन अथवा उपेक्षापूर्ण कार्य से किसी व्यक्ति की मृत्यु कारित होने पर दोषी को पाँच वर्ष तक के कारावास एवं जुर्माने से दंडित किए जाने का प्रावधान है। साथ ही प्रशासन का आदेश है कि

प्रतिबंधात्मक आदेश के उल्लंघन की स्थिति में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के अंतर्गत भी कार्यवाही की जाएगी। चायना धागे का उपयोग कर पतंगबाजी करने वाले व्यक्ति/ संस्था/ आयोजक के विरुद्ध विधि अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे चायना धागे का उपयोग पूर्णतः न करें, कानून का पालन करें तथा जन-सुरक्षा एवं पक्षी-संरक्षण में प्रशासन का सहयोग करें। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, दुकानदार, संस्था या आयोजनकर्ता के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यदि चाइनीज मांझे के उपयोग से किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है तो धारा 106 (1) के अंतर्गत संबंधित के खिलाफ पांच वर्ष तक के कारावास अथवा जुर्माने या दोनों से दंडित किए जाने का प्रावधान रहेगा। जारी आदेश में कलेक्टर ने पक्षियों की हो रही मौत का भी जिक्र किया है। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने के दौरान कई बार पक्षी उसमें उलझकर घायल हो जाते हैं और अनेक मामलों में उनकी मृत्यु तक हो चुकी है।

पुलिस बोली 'गुच्छा दिखे तो जला दें

इंदौर में चाइनीज मांझे को लेकर डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने कहा कि चाइनीज मांझा हम सभी का दुश्मन है। इस दुश्मन से सख्ती से लड़ाई लड़ी जा रही है। इस लड़ाई में इंदौर के वे सभी माता-पिता और बच्चों के भाई बहन भी साथ दें। यदि किसी भी प्रकार से चाइनीज का कोई पुराना गुच्छा भी रखा हो या गलती से आ गया हो या फिर बिना जानकारी के आप ले आए तो अभी उसको जला दें।

दुकानदारों पर एफआईआर

चाइनीज मांझा बेचने के मामले में पुलिस ने कई दुकानदारों पर कार्रवाई की है। तेजाजी नगर पुलिस ने बताया कि असरावद खुर्द में अर्पित साहू और मनोज राठौर को चाइनीज मांझा बेचते हुए पकड़ा है। मल्हार पलटन में पुष्टे की दुकान की आड़ में अमजद चाइनीज मांझा बेचते हुए पकड़ाया। कैलाश मार्ग मल्हारगंज से संजय जैन चाइनीज मांझा बेचते हुए पकड़ाया। एरोड्रम पुलिस ने शैलेश राजानी से चाइनीज मांझा जब्त किया है। वह यह मांझा सन्नी अग्रवाल से खरीदकर लाया था। पंचशील नगर से भी उत्सव मकवाना के पास से चाइनीज मांझा जब्त हुआ है। प्रतीक सेतु से श्याम नगवाड़िया तो धनवंतरी नगर से महेश शर्मा को मांझे के साथ पकड़ा। स्कीम नंबर 78 से सुमित राठौर सहित दो नाबालिगों को मांझे के साथ पकड़ा है। शहर में अन्य जगह भी इस तरह की कार्रवाई हुई। गंगानगर गली से चंदननगर पुलिस ने लोकेश गौड़ को चाइनीज मांझे के साथ पकड़ा।

गांधी नगर से 'रेडिसन' तक मेट्रो का परीक्षण, 15 से 25 तक मेगा ब्लॉक

इंदौर मेट्रो सेवाओं को शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में विशेष पहल

इंदौर। मेट्रो रेल के प्राथमिकता कॉरिडोर गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहा से रेडिसन स्क्वायर तक, कुल 16 स्टेशन, के शीघ्र संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षण, कमीशनिंग एवं सिस्टम इंटीग्रेशन से संबंधित कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं। इस कार्य को पूरा करने के लिए के लिए 15 से 25 जनवरी तक मेगा ब्लॉक की घोषणा की गई। सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन (एसएंडटी) प्रणालियों के एकीकृत परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य वर्तमान में अपने अंतिम चरण में है। इस क्रम में मालवीय नगर चौराहा मेट्रो स्टेशन (रेडिसन स्क्वायर) तक के

कॉरिडोर पर ट्रायल रन किए जा रहे हैं। अगले चरण में पूरे प्राथमिकता कॉरिडोर पर व्यापक परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य किया जाना है। इन कार्यों को सुचारू, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए शेष परीक्षण एवं कमीशनिंग गतिविधियों को पूर्ण करने के लिए 15 जनवरी से 25 जनवरी तक गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर-3 तक मध्य प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) ने राजस्व सेवाओं को निलंबित करने का निर्णय किया गया है।

उल्लेखनीय है कि सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन (एसएंडटी) से संबंधित सभी कार्यों का समय पर पूरा किया जाना है। कॉरिडोर के पूरे क्षेत्र में जनता को मेट्रो सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए परीक्षण, कमीशनिंग एवं सिग्नलिंग कार्यों को निर्बाध रूप से पूरा करने के लिए उक्त अवधि में मेगा ब्लॉक की अनुमति प्रस्तावित की गई। यह कदम प्राथमिकता कॉरिडोर पर तकनीकी कार्यों की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों के लिए इंदौर मेट्रो सेवाओं को शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मकर संक्रांति पर रंगीन हुआ पतंग बाजार

इंदौर। मकर संक्रांति पर शहर का पतंग बाजार पूरी तरह रंगों से सराबोर हो गया। काछी मोहल्ला, द्वारकापुरी, समाजवादी इंदिरा नगर मल्हारगंज, बड़े गणपति, छावनी, तिलक नगर और विजयनगर सहित कई इलाकों में पतंगों की जमकर बिक्री हो रही है। दुकानों पर सुबह से ही खरीदारों की भीड़ नजर आ रही है। बच्चों से लेकर युवाओं तक पतंग उड़ाने को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। बाजारों में विभिन्न डिजाइन, आकार और रंगों की आकर्षक पतंगें उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 20, 30 और 50 रुपये से शुरू होकर 500 रुपये तक पहुंच रही है। खास डिज़ाइन और मजबूत कागज से बनी पतंगों की मांग सबसे अधिक बताई जा रही है। दुकानदारों का कहना है कि कल मकर संक्रांति है,इस लिए बिक्री में तेजी आ रही है। त्योहार के चलते बाजारों में रौनक और चहल-पहल बढ़ गई।

नलों से गंदा पानी आने पर मयूर नगर में लोगों की नाराजी बाहर

भागीरथ कांड जैसी घटना का डर, निगम पर आरोप

इंदौर। मूसाखेड़ी क्षेत्र के मयूर नगर में नलों से आ रहे गंदे पानी को लेकर रहवासी महिलाओं में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। लंबे समय से नलों में मटमैला और बदबूदार पानी आने से क्षेत्रवासियों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। सोमवार को जैसे ही नल आए और गंदा पानी निकला, महिलाओं का सब्र जवाब दे गया और वे एकत्रित होकर विरोध पर उतर आईं। महिलाओं ने बताया कि नल शुरू होते ही करीब आधे घंटे तक चेंबर जैसा गंदा और बदबूदार पानी आता है, उसके बाद साफ पानी आता है,जिसे मजबूरी में पीने के लिए उपयोग किया जा रहा है। इसी दूषित पानी से बच्चों और बुजुर्गों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है। भागीरथ में हुई दुखद घटना को लेकर मयूर नगर के रहवासियों में डर है कि कहीं वैसी ही घटना यहां न दोहराई जाए। रहवासियों का कहना है कि गंदे पानी की शिकायत कई बार पार्षद और नगर निगम से की गई, यहां तक कि वीडियो भी सौंपे गए,लेकिन समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। सोमवार को सूचना पर पहुंचे नगर निगम कर्मचारियों पर रहवासियों को धमकाने के आरोप भी लगाए गए। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

'जल सुनवाई' की शुरुआत, हर मंगलवार टंकियों पर शिकायत

भागीरथपुरा जल संक्रमण के बाद निगम का बड़ा कदम

इंदौर। दूषित पानी से हुई घटनाओं और भागीरथपुरा क्षेत्र में जल संक्रमण के बाद नगर निगम ने शहरवासियों को राहत देने के उद्देश्य से एक अहम पहल शुरू की है। स्वच्छ जल अभियान के तहत आज से इंदौर में हर मंगलवार जल जनसुनवाई आयोजित की जा रही है, जिसमें नागरिकों की पानी से जुड़ी समस्याएं मौके पर ही सुनी और सुलझाई जाएंगी। भागीरथपुरा की घटना के बाद यह पहला अवसर है, जब शहर की सभी 85 पानी की टंकियों पर एक साथ जल जनसुनवाई की जा रही है। प्रत्येक मंगलवार सुबह 11 बजे से दोपहर तक रहवासी जलप्रदाय, गंदे पानी, पाइपलाइन लीकेज, सीवर मिक्सिंग जैसी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। नगर निगम ने प्रत्येक जोन में तीन-तीन इंजीनियर और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि जोन स्तर की शिकायतों का त्वरित निराकरण वहीं किया जाएगा, जबकि गंभीर व मुख्यालय स्तर की समस्याओं को निगम कार्यालय में हल किया जाएगा। भागीरथपुरा कंट्रोल रूम में अब तक सवा चार सौ से अधिक शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं, जिनमें अधिकांश गंदे

पानी से संबंधित हैं। नागरिक जल सुनवाई के क्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बिलावली झोन परिसर एवं वार्ड क्रमांक 78, बिजलपुर स्थित पेयजल टंकी परिसर में आयोजित जल सुनवाई का अवलोकन किया गया।

महापौर एवं आयुक्त द्वारा जल सुनवाई में उपस्थित नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए क्षेत्र में पेयजल से संबंधित प्राप्त शिकायतों की विस्तारपूर्वक जानकारी ली गई। नागरिकों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान हेतु एक शिकायत पंजिका तैयार कराई गई तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो तथा नागरिकों को नियमित एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इधर, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार भागीरथपुरा में डायरिया के 12 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें से 3 गंभीर मरीजों को रेफर किया गया है। वर्तमान में 39 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि इस अभियान का उद्देश्य शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे जल जनसुनवाई में भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं।

35 लाख के डोडा चूरा और तस्कर पकड़ने पर पुलिसकर्मी सम्मानित

पुलिस कमिश्नर ने 21 अधिकारियों-कर्मचारियों को पुरस्कार दिए

इंदौर। आम नागरिकों को बेहतर और प्रभावी पुलिसिंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को 21 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट व सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान 35 लाख रुपए मूल्य के 887 किलो अवैध डोडा चूरा के साथ पंजाब के तस्कर को पकड़ने में अहम भूमिका निभाने वाले तेजाजी नगर थाने के तीन पुलिसकर्मियों को विशेष

रूप से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि ऐसे साहसिक और सजग कार्य पुलिसिंग की गुणवत्ता को और मजबूत करते हैं।

सम्मानित पुलिसकर्मियों में आत्महत्या का प्रयास कर रहे व्यक्ति की जान बचाने वाले एरोड्रम थाना स्टाफ, करोड़ों की नकदी जब्त करने वाले कनाडिया थाना के जवान, मोबाइल टावरों से चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने वाली हीरानगर थाना टीम तथा प्रतिबंधित चाइनीज मांझा जब्त करने वाली चंदन नगर थाना पुलिस शामिल रही। इसके अलावा लापरवाही से बस चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों को भी सम्मान मिला। पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी तरह कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और जनहित में कार्य करते रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उत्कृष्ट कार्य करने वालों को आगे भी इसी प्रकार सम्मानित किया जाता रहेगा, ताकि पुलिस बल का मनोबल ऊंचा बना रहे।

कुत्ते की मौत पर बवाल, दो पक्षों में झड़प, दोनों की शिकायत दर्ज की

इंदौर। विजयनगर क्षेत्र में तीन माह के डॉग की मौत को लेकर सोमवार रात बड़ा विवाद खड़ा हो गया। डॉग से क्रूरता के आरोपों के बाद एनजीओ से जुड़े लोगों और स्थानीय परिवार के बीच जमकर मारपीट हुई। जांच के बाद पुलिस ने बलराम शर्मा के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत भी एफआईआर दर्ज की। घटना के बाद पुलिस ने एक पक्ष की फरियादी दुर्गा शर्मा की शिकायत पर स्वाति शर्मा, अर्पित कुमावत, मयंक सोनी, अभिषेक परिहार सहित अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दुर्गा ने बताया कि सोमवार रात करीब 10.30 बजे कुछ लोग जबरन उनके घर में घुस आए और उनके पति बलराम शर्मा के बारे में पूछताछ करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए घर का सामान तोड़ा और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने आई उनकी भाभी के साथ भी मारपीट की गई। दुर्गा का कहना है कि आरोपियों ने खुद को 'प्रकृति फाउंडेशन' से जुड़ा बताया और डॉग की हत्या का आरोप लगाकर मौके से फरार हो गए।

सच्चाई जांचने पहुंचे तो विवाद- वहीं, दूसरे पक्ष से प्रकृति फाउंडेशन के संचालक अर्पित कुमावत ने बलराम शर्मा और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि सोशल मीडिया पर उन्हें एक वीडियो मिला था, जिसमें युवक डॉग को डंडे से पीटते हुए दिखाई दे रहा था। वीडियो की सच्चाई जांचने के लिए उनकी टीम की सदस्य मौके पर पहुंची, जहां बलराम के परिजनों से विवाद बढ़ गया और मारपीट हो गई। बाद में यह स्पष्ट हुआ कि वायरल वीडियो 8 जनवरी का है, जिसमें बलराम द्वारा डॉग को डंडे से मारकर उसकी हत्या किए जाने का आरोप है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद बलराम शर्मा के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत भी एफआईआर दर्ज की है।

संपादकीय

'पंचगव्य' परियोजना में गड़बड़झाला

यह गोबर-गौमूत्र घोटाला मध्य प्रदेश के शैक्षिक संस्थानों की विश्वसनीयता पर करारा प्रहार है। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में अनुसंधान के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग ने न केवल विज्ञान जगत को शर्मसार किया, बल्कि जनता के विश्वास को भी चूर-चूर कर दिया। 2011 में शुरू हुई यह परियोजना 'पंचगव्य' (गोबर, गौमूत्र, दूध, दही, घी) से कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज का वादा लेकर रू. 8.74 करोड़ की मांग पर आई थी। सरकार ने 3.5 करोड़ मंजूर किए। लेकिन, जांच में खुलासा हुआ कि यह धन लैब और शोध के बजाय व्यक्तिगत ऐशो-आराम पर उड़ाया गया। यह घटना भ्रष्टाचार की उस जड़ को उजागर करती है, जहां विकास के नाम पर लूट मचाई जाती है। जांच टीम का लैब का दौरा किसी बुरे सपने जैसा था। 'हाई-टेक' रिसर्च सेंटर पुराने खंडहर की तरह मिला, जहां वैज्ञानिक उपकरणों के बजाय गमले-दिए बनाने की साधारण मशीनें पड़ी थीं। दस्तावेजों में रू. 1.92 करोड़ की मशीनरी खरीद दिखाई गई। जबकि, विशेषज्ञों के मुताबिक उनकी बाजार मूल्य महज 15-20 लाख रुपए। बाकी धन 7.38 लाख की कार, 2.93 लाख पेट्रोल-डीजल, 2.76 लाख वाहन रखरखाव, गोवा की 'रिसर्च यात्राएं' ये सब प्रोजेक्ट से कोसों दूर। ड्राइवर सैलरी पर 2.22 लाख और मजदूर भुगतान पर 50 हजार बिना रिकॉर्ड के। यह सरकारी धन की लूट है, जो योजनाओं की हकीकत बयां करती है। 'पंचगव्य' को बढ़ावा देकर किसानों को स्वावलंबी बनाने का दावा झूठा साबित हुआ। यह घोटाला केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान पर धब्बा है। भारत जैसे विकासशील देश में वैकल्पिक चिकित्सा पर शोध जरूरी है, खासकर आयुर्वेदिक परंपराओं को मजबूत करने के लिए। गोबर-गौमूत्र के औषधीय गुणों पर प्रारंभिक अध्ययन आशाजनक हैं गौमूत्र में एंटी-कैंसर गुण पाए गए हैं। लेकिन जब ऐसे प्रोजेक्ट भ्रष्टाचार का शिकार बनते हैं, तो जनता का विज्ञान पर भरोसा डगमगाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन की आंतरिक जांच सफेद झूठ है। कुलसचिव आरोपों को खारिज कर रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन की रिपोर्ट साक्ष्यों से भरी पड़ी है। यह रवैया संस्थागत जवाबदेही की कमी दर्शाता है। मध्य प्रदेश सरकार को तत्काल केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) से जांच करवानी चाहिए। दोषी अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज हो, संपत्ति जब्त हो और राशि वसूली जाए। विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत कुलपति और रजिस्ट्रार की जिम्मेदारी तय हो। साथ ही, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए पारदर्शी ऑडिट सिस्टम लागू हो, जीएसटीएन जैसी डिजिटल ट्रैकिंग भी अनिवार्य। केंद्र सरकार की 'आयुष मिशन' जैसी योजनाओं में भी ऐसी सतर्कता जरूरी। यह मामला गोबर घोटाले तक सीमित न रहे, यह सभी सरकारी शोध संस्थानों के लिए चेतावनी है। राजनीतिक नजरिए से देखें तो यह भाजपा शासित मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार की बड़ी घटना है। नानाजी देशमुख जैसे संत-नेता के नाम पर बने संस्थान में यह हादसा शर्मनाक है। विपक्ष को चुप्पी तोड़नी चाहिए, लेकिन सत्ता पक्ष को खुद सुधार दिखाने का मौका है। जनता, जो करों से यह धन देती है, अब सवाल पूछेगी कि कैंसर रोगी क्यों गरीबी में तड़फे और अधिकारी ऐश करें? लोकतंत्र में जवाबदेही ही भ्रष्टाचार रोकेगी। यह घोटाला हमें सोचने पर मजबूर करता है कि विकास के वादों के पीछे लूट का जाल कैसे बिछा है। सख्त कानून, ईमानदार प्रशासन और जन जागरूकता से ही ऐसे घोटालों पर लगाम लगेगी। मध्य प्रदेश को नया अध्याय लिखना होगा, जहां विज्ञान सच्चा शोध करे, न कि स्कैम।

ईरान में दोहरा संकट, न अमन, न चैन

ईरान के इस्लामी गणतंत्र के लिये मुसीबतों का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां करीब एक पखवाड़े से उग्र प्रदर्शनों का तांता लगा हुआ है। 28 दिसंबर से शुरू हुये उन प्रदर्शनों पर काबू पाने के लिये पुलिस को जगह-जगह गोलियां चलानी पड़ी है। इसके फलस्वरूप अब तक 646 लोगों की जान जाने की खबर है। इनमें 505 प्रदर्शनकारियों, 113 सुरक्षाकर्मियों और सात तमाशबीनों का समावेश है। इसके अलावा 579 मौत की पुष्टि होना अभी शेष है और उनकी तफ्तीश की जा रही है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रति कड़ाई बरतने के संकेत दिये हैं और एक पखवाड़े की अवधि में दस हजार से अधिक ईरान को गिरफ्तार किया है।

विश्व राजनीति
डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ईरान अशांत है। वह फिलवक्त दो पाटों में फंसा हुआ है। एक ओर तो घरेलू मोर्चे पर देगची में असंतोष खलभला रहा है, दूसरी ओर लंबे अर्से से आर्थिक-पाबंदियां झेल रहे ईरान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'कभी भी कार्रवाई' की धमकी ने सांसत में डाल दिया है। यद्यपि ईरान ने युद्ध के लिये तैयार रहने और आक्रमण होने पर करारा जवाब देने की बात कही है, अलबत्ता उसने अमेरिका के साथ वार्ता के लिये भी तत्परता दर्शायी है। गौरतलब है कि वाशिंगटन और तेहरान के बीच दौत्य-संबंध नहीं है और उनके बीच संदेशों के आदान-प्रदान का दायित्व स्विस-दूतावास निभा रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघायेई का कहना है कि मध्यपूर्व के लिये ट्रंप प्रशासन के विशेष दूत स्टीव विटकोफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरघची के बीच संचार-प्रणाली चालू है और पड़ने पर संदेशों का आदान-प्रदान जारी है। सोमवार 12 जनवरी को ईरानी विदेशमंत्री यह कहते हुये उद्धृत किये गये कि ईरान ने युद्ध के साथ-साथ वार्ता के लिये अपने दरवाजे खुले रखे हैं। उनके इस बयान को तेहरान की मनःस्थिति के परिचायक के तौर पर देखा जा सकता है। यह इस बात का द्योतक है कि तेहरान जंग की बात भले ही कहे, लेकिन गहन आंतरिक असंतोष के इस कठिन दौर में वह अपनी ओर से जंग के लिये अनिच्छुक है और जैसे भी हो वह जंग को टालना चाहेगा।

ईरान के इस्लामी गणतंत्र के लिये मुसीबतों का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां करीब एक पखवाड़े से उग्र प्रदर्शनों का तांता लगा हुआ है। 28 दिसंबर से शुरू हुये उन प्रदर्शनों पर काबू पाने के लिये पुलिस को जगह-जगह गोलियां चलानी पड़ी है। इसके फलस्वरूप अब तक 646 लोगों की जान जाने की खबर है। इनमें 505 प्रदर्शनकारियों, 113 सुरक्षाकर्मियों और सात तमाशबीनों का समावेश है। इसके अलावा 579 मौत की पुष्टि होना अभी शेष है और उनकी तफ्तीश की जा रही है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों के प्रति कड़ाई बरतने के संकेत दिये हैं और एक पखवाड़े की अवधि में दस हजार से अधिक ईरान को गिरफ्तार किया है।

इन दिनों घड़ी सुइयां तेजी से घूम रही है। शनिवार को तेहरान् में ईरान ने ब्रिटिश राजदूत को तलब किया और ब्रिटेन के विदेश मंत्री के ईरान को लेकर बयान के जरिये दखलंदाजी पर नाराजगी का इजहार किया। साथ ही इस वाकये पर भी

अप्रसन्नता व्यक्त की गयी, जिसमें लंदन में एक युवक ने ईरान के दूतावास पर लगा ईरानी झंडा हटाकर वहां सन् 1979 की इस्लामी क्रांति के पूर्व प्रयुक्त झंडे से मिलता जुलता ध्वज फहरा दिया। ब्रिटेन ने अधिकारिक तौर पर इस बाबत कोई वक्तव्य जारी नहीं किया है। इस उस बीच ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कली बाफ ने वाशिंगटन को चेतावनी दी कि वह ईरान को कमजोर समझने की गलती नहीं करे। ईरान की क्रांतिकारी गारद के मुखिया रह चुके कुली बाफ ने तुर्श लहजे में कहा कि ईरान पर हमले की हालत में इस्रायल तथा अमेरिका के सभी अड्डे और जलपोत हमारे निशाने पर होंगे।

ईशन पर विश्व राजनय की दशा और दिशा को संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव अंतोनियो गुटर्रेस के उस बयान से भी समझा जा सकता है, जिसमें उन्होंने ईरान में आंतरिक हिंसा से स्तब्ध होने और ईरानी सरकार से हिंसा के बजाय संयम बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण इकट्ठा होने और प्रदर्शन का सम्मान किया जाना चाहिये। प्रदर्शन और दमन की खबरों के बीच शनिवार को इस्रायल के प्रधानमंत्री वेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट मार्को रूबियो ने फोन पर बातचीत की। रिपब्लिकन सिनेटर रैंड पॉल और डेमोक्रेट सिनेटर मार्क वानर ने ईरान पर अमेरिकी सैन्य आक्रमण की संभावना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी हमले की स्थिति में ईरानी आवाम हमले के खिलाफ एकजुट हो जायेगा। विशेषज्ञों का मत है कि इससे ईरानी सरकार को असंतोष पर काबू पाने में मदद मिलेगी। मत-मतांतरों के कुहासे में अब लोगों की नजर मंगलवार को राष्ट्रपति की अमेरिकी सांसदों व सलाहकारों से मुलाकाता के नतीजों पर है। उधर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने स्पष्ट शब्दों में अमेरिका और इस्रायल पर ईरान में अस्थिरता का जाल बुनने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ईरान के दुश्मनों ने आतंकवादियों को उकसाया है और ये दहशतगर्द मस्जिदों, बैंकों और सार्वजनिक संपत्ति को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने ईरानी अवाम से दंगाइयों से दूर रहने की अपील करते हुये कहा कि सरकार अवाम से बातचीत और आर्थिक मसले सुलझाने को तैयार है।

गत सप्ताहांत राष्ट्रपति ट्रंप के एक्स पर इस आशय के बयान के बाद ईरान समेत मध्यपूर्वक के मुल्कों की धुकधुकी बढ़ गयी है कि ईरानी जनता आजादी की ओर ताक रही है। ऐसा संभवतः पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने लिखाः 'द यूएसए स्टैंड्स रेडी टु हेल्प।' ट्रंप जो हाल में वेनेजुएला में अपनी फिल्लियाँ फड़का चुके हैं, के रेडी टु हेल्प कथन के अलग-अलग अर्थ निकाले जा रहे हैं। इस बीच ईरान के निर्वासित, पूर्व सम्राट के बेटे रजा पहल्वी ने ट्रंप की ईरानी अवाम की 'अवर्णनीय वीरता' की सराहना की है। उन्होंने ईरानियों से कहा कि सड़कें खाली मत छोड़िये।

वर्तमान संकट में तेल अवीव को अपने स्थायी शत्रु से छुटकारा पाने का 'सुअवसर 'नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि घटनाक्रम पर तेल अवीव की पैनी निगाह है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पर्शियन स्टेट (ईरान) को जल्द ही अत्याचारों से मुक्ति मिलेगी। उलेखनीय है कि इस्रायल में ताजा घटनाक्रम और आशंकाओं के मद्देनजर 'हाई अलर्ट' लागू कर दिया गया है। करीब एक छमाही ही बीती है, जब इस्रायल और ईरान के दरम्यान 12 दिन जंग चली थी। जून में हुई जंग में अमेरिका ने इस्रायल का साथ दिया था। उसने ईरान के परमाणु-ठिकाने तबाह कर दिये थे। बदले में ईरान ने इस्रायल और कतर में अमेरिकी ठिकाने पर मिसाइलें दागीं थीं। किस्सा कोताह यह कि अमेरिका की सीधी कार्रवाई की आशंकाओ के बीच स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। ईरान में अमन-चैन को नामोनिशां नहीं है और वह दोहरे संकट से जूझ रहा है।

कुत्तों से बचाव जनभागीदारी से

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नगर निगम स्थानीय निकाय एनिमल बर्थ कन्ट्रोल (एबीसी) नियमों को लागू नहीं कर रहे हैं, जबकि उन्हें ऐसा सख्ती से करना होगा। सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि 10 राज्यों ने हलफनामा देकर बताया कि वे आवारा कुत्तों से निपटने के लिए क्या कर रहे हैं। बाकि राज्यों ने अभी तक हलफनामा ही नहीं दिया है। उल्लेखनीय है कि 22 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों से कहा था कि वे एबीसी नियमों को लागू करने और उनके पालन संबंधी हलफनामा दाखिल करें। इसमें राज्यों को कुत्तों की संख्या, नसबंदी, टीकाकरण, शेल्टर सुविधाओं आदि की जानकारी देना था। इसके साथ ही नवम्बर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को यह निर्देश दिया था कि हाईवे से आवारा जानवरों को हटाया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि सरकारी और निजी शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थाओं को 8 सप्ताह के भीतर फेंसिग करनी होगी।

मुद्दा
संदीप कुलश्रेष्ठ

देश में कुत्तों के आतंक से आमजन भयभीत हैं। प्रतिदिन कुत्तों के काटने के अनेक प्रकरण अस्पताल में आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट भी बार-बार सड़कों को कुत्तों से मुक्त करने के निर्देश दे चुका है। किन्तु वास्तव में अभी तक धरातल पर कुछ हो नहीं पाया है। यह केवल सरकार या नगर पालिका या नगर निगम का काम नहीं है। जनभागीदारी से ही कुत्तों पर नियंत्रण किया जाना संभव होगा।

कुत्ते कितने खतरनाक हो रहे हैं। उसके केवल दो-तीन उदाहरण देना ही पर्याप्त है। एक है, उज्जैन जिले के महिदपुर में ही एक दिन में ही एक पागल कुत्ते ने 40 लोगों को काटा और एक सप्ताह में 80 लोगों को कुत्तों ने काटा। दूसरा उदाहरण है, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री निवास में पालतू कुत्ते ने ही अचानक हमला कर रसोईये कृपाशंकर मिश्रा और डाक ट्रेनर रंजीत को काट लिया। तीसरा उदाहरण राजगढ़ जिले का है। इस जिले के खिलचीपुर के सोमवारिया बस्ती में 8 साल की बच्ची लिजा और उसके तीन साल के भाई कृष पर एक कुत्ते ने अचानक हमला कर दिया। कुत्ते ने मासूम का सिर दबोच लिया और वह खून से लथपथ हो गया। बहन ने अपने भाई को बचाने के लिए कुत्ते का सामना किया। इस दौरान उसे भी कई जगह कुत्ते ने काट लिया किन्तु उसने हार नहीं मानी और कुत्ते से जूझती रही और अपने भाई को कुत्ते के चंगुल से छुड़ा लिया। बहन ने तुरंत अपनी टी-शर्ट उतारी और अपने भाई के सिर पर बांध दी, ताकि बहते खून को रोका जा सके। इस बीच लोग भी आ गए। लिजा की जहां तारीफ हो रही है, वहीं कृष के सिर पर कुत्ते के काटने का गहरा जख्म है और उसका ईलाज चल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट चिंतित – सुप्रीम कोर्ट ने देश में आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी अंजारिया की पीठ ने हाल ही में इस मामले में दाखिल सभी याचिकाओं पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा है कि देश में लोग सिर्फ कुत्तों के काटने से ही नहीं बल्कि सड़कों पर आवारा घूमते जानवरों की वजह से भी हादसे के शिकार हो रहे है और अपनी जान गंवा रहे हैं। बच्चे और बूढ़े कुत्तों के आसान शिकार हो रहे हैं। यह बहुत गंभीर मुद्दा है। पिछले 20 दिनों में ऐसी दो सड़क दुर्घटनाएं जजों के साथ भी हुई है। उनमें से एक जज अभी भी रीढ़ की गंभीर चोट से जूझ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नगर निगम स्थानीय निकाय एनिमल बर्थ कन्ट्रोल (एबीसी) नियमों को लागू नहीं कर रहे हैं, जबकि उन्हें ऐसा सख्ती से करना होगा। सुप्रीम

कोर्ट को बताया गया कि 10 राज्यों ने हलफनामा देकर बताया कि वे आवारा कुत्तों से निपटने के लिए क्या कर रहे हैं। बाकि राज्यों ने अभी तक हलफनामा ही नहीं दिया है। उल्लेखनीय है कि 22 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों से कहा था कि वे एबीसी नियमों को लागू करने और उनके पालन संबंधी हलफनामा दाखिल करें। इसमें राज्यों को कुत्तों की संख्या, नसबंदी, टीकाकरण, शेल्टर सुविधाओं आदि की जानकारी देना था। इसके साथ ही नवम्बर 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को यह निर्देश दिया था कि हाईवे से आवारा जानवरों को हटाया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि सरकारी और निजी शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संस्थाओं को 8 सप्ताह के भीतर फेंसिग करनी होगी।

देश में 5 करोड़ 25 लाख कुत्ते हैं। इन सभी कुत्तों से आमजन को बचाना एक गंभीर चुनौती है। देश में स्कूलों सहित कुल 15,46,941 शैक्षणिक संस्थान हैं। इन स्कूलों में फेंसिंग लगाने के लिए फंड कहाँ से आयेगा ? जबकि 1 लाख 94 हजार स्कूलों में बिजली कनेक्शन ही नहीं है, शौचालय खराब है, पीने के पानी की भी कमी है। ये सब यक्ष प्रश्न है।

देश में सवा 5 करोड़ कुत्तों से आमजन को बचाने के लिए सभी राज्यों के स्थानीय निकायों को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार एबीसी नियमों का पालन करना ही चाहिए, इसमें चाहे जितनी राशि लगे। क्योंकि मानव जीवन बहुमूल्य है। इसके लिए सुरक्षा के लिए हर स्तर पर हर कोशिश की जाना आवश्यक है। केन्द्र और राज्य सरकारों को पर्याप्त आवंटन स्थानीय निकायों को उपलब्ध कराना ही चाहिए। किन्तु इतना ही पर्याप्त नहीं है। जनता को भी इसके लिए आगे आना होगा। जनभागीदारी से ही यह हो सकेगा। इसके लिए करना यह होगा कि नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगम अपने-अपने क्षेत्र में कुत्तों की संख्या के अनुसार कुत्ता घर बनवाए। इन कुत्ता घरों में कुत्तों के लिए भोजन तथा अन्य प्रबंधन के लिए आमजन कुत्तों को गोद ले। प्रत्येक वार्ड में वार्ड वाइस समितियां बनाई जाए। इसमें समिति अपने वार्ड के लोगों से सम्पर्क कर कुत्तों को गोद लेने के लिए प्रेरित करें और एक निश्चित राशि स्थानीय निकाय को जमा कराए। कुत्तों से बचने के लिए उन्हें यह राशि देना ही होगी। एक व्यक्ति, एक कुत्ता या अधिक कुत्तें को गोद ले सकता है। स्थानीय निकाय द्वारा निश्चित की गई राशि आमजन द्वारा वार्षिक रूप से जमा कराई जा सकती है। आमजन को कुत्तों से काटने से बचने के लिए राशि देनी ही होगी, ताकि सभी कुत्तों को कुत्ता घर में रखा जा सके, और उनके पर्याप्त भोजन आदि का बंदोबस्त किया जा सके। जब तक आमजन आगे नहीं आयेगा, कुत्तों की समस्या ऐसी ही बनी रहेगी।

आप के जमाने की पतंगबाजी आप ही को मुबारक

व्यंग्य
लोकेंद्र नामजोशी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

लो साहब, नए साल के आरंभ ने और सूर्य के चाल बदलने के साथ ही मकर संक्रांति का पावन पर्व, आकाश में हिलोरें लेती किसी पतंग की माफिक सिर पर तनकर खड़ा हो गया है। ऐसे में संक्रांति के हसीन मौके पर नई नई पतंग उड़ाने के शौकीन बेटे के लिए तो यह पतंगबाजी में अपने हाथ मांजने का बेहतरीन मौका है। इसी बेहतरीन मौके के झोंके में उसने अचानक मेरे विचारों की पतंग को काटते हुए एक प्रश्न की डोर को पत्थर के लंगड़ में बांधकर मेरी और उछाला की 'बाबा, आपके जमाने मे भी ऐसा पतंगबाजी का खेल होता था क्या?' बेटे के द्वारा अनपेक्षित रूप से कांटे गए मेरे विचारों की डोर में उलझा मैं इस प्रश्न को सुनते ही अपने पुराने जमाने में की जाने वाली पतंगबाजी की यादों में खो गया। मुझे अपने जमाने की पतंगबाजी के वो 'अच्छे दिन याद' आने लगे, जब हम सब बच्चे मिलकर पतंगबाजी की इस शोक को अपनी कच्चे मन की भावनाओं की डोर में बांधकर बिना ठुनकी दिए ही सातवें आसमांन पर पहुंचा देते थे।

अपनी यादों के सातवें आसमान में गोते लगा चुकी ऐसी ही जूनी पुरानी पतंगों की यादों के ढेर में से कुछ पतंगों की धूल को झटककर निकालते हुए मैंने उसे बताया कि, 'बेटा हमारे बाल्यकाल में भी पतंगबाजी का खेल आज के जमाने की पतंगबाजी से कुछ ज्यादा ही दांव पेंच लड़ाकर खेला जाता था। लेकिन हमारे जमाने में आज कुकुरमुत्तों की भांति उग आयी डोर और पतंगो की दुकानों की माफिक डोर और पतंगे उस जमाने में रेडीमेड नहीं मिला करती थी। उसके लिए मां बाप, घर के बड़े बुजुर्ग और आमीन सयानी की तरह शहद सी मिठी आवाज में डांट डपट करने वाले बड़े 'बहनों और भाइयों' की डांट खाने के अलावा भी कई तरह के धतकरम भी करना पड़ते थे।'

'पतंगबाजी के ऐसे ही धतकर्मों की नोबल लिस्ट में सबसे पहला और टॉप मोस्ट काम ये होता था कि, पतंग बनाने के लिए कागज का ताव, किसी पुराने बांस के कांप टुडेड़े और उन दोनों को फेविकोल के मजबूत जोड़ की भांति आपस में चिपकाने के लिए चिएं के बीज की लेई बनाना। पतंगबाजी के खेल के लिए पतंग बनाने के इस खेल के बाद इस खेल का दूसरा भाग शुरू होता था। यानी पतंग उड़ाने के लिए लगने वाली डोर की रंगाई सुताई। ऐसी डोर की सुताई के लिए 'दो बूंद जिंदगी' की भांति जरूरी होता था, एक ठो मुर्गा छाप धागे की गट्ठी, थोड़ा सा रंग और 'ये दीवार टूटती क्यों नहीं' वाले सीमेंट की भांति मजबूती प्रदान करने के लिए कांच का चुरा। '

'अब इस पतंग उड़ाने के मांझे को सुतने की लिए सबसे पहले एक फोकट का डब्बा एक फोकट की खाली जगह और दो चार फोकटे साथियों को ससम्मान धागा सुतने का न्योता दिया जाता था। उसके बाद दो तीन लोग कांच की टूटी बोतल या कांच के टुकड़े बिनने की मुहिम पर भेजे जाते थे। पतंगबाजी का ये सारा गोला बारूद और असलहा इकट्ठा होने के बाद एक आदमी उन कांच के टुकड़ों को पीसने का काम करता था। वहीं दूसरा साथी उस मुर्गा छाप धागे की गट्ठी में एक छोटी लकड़ी फंसाकर उचके की भांति पकड़ता था। तीसरा उस गट्ठी में से निकल रहे धागे को रंग के डब्बे में डूबा इस प्रकार लेकर बैठता था और चौथा उस रंग के डब्बे में से निकल रहे धागे को बारीक पीसे कांच के टुकड़ों पर से होकर गुजर रहा है या नहीं इस बात को जांचने के लिए किसी घाघ फूड इंस्पेक्टर की भांति निहारता रहता था। और अंतिम आदमी उस धागे का पहला सिरा पकड़ कर दूर तक निकल लेता था। मांझा सुतने के बाद उसे धूप में सुखाया जाता था, और उस दौरान पहरा देना पड़ता था कि कोई मोहल्ले का चतुर बालक 'ज़रा सा देखने' के बहाने आधा मांझा चुरा न ले।'

'इतना सब करने के बाद पतंग के ज्योते बांधकर उसे हवा की दिशा में उड़ंचि देकर उड़ाया जाता था। पतंग को हवा में दूर तक ले जाने के लिए पहले 'हवा का मिज़ाज' परखा जाता था। ज़रा सी भी जल्दबाज़ी हुई नहीं कि पतंग किसी झाड़ झंकाड़ या बिजली के तार पर या पड़ोसी की छत पर मेहमान बन कर उतर जाती थी। इसलिए 'दुर्घटना से देर भली' कहावत को अंगीकार कर के बड़ी ही सावधानी से खुले मैदान या घर की छत पर खड़े होकर पतंगबाजी की जाती थी। एक आदमी धागे का चक्री यानी उचका पकड़कर खड़ा होता दूसरा उड़ंची देने निकल जाता। उड़ंची देते ही पतंग हवा से बातें करने लगती। फिर आसमान में परियल, कांनबाज, पूंछ कटा, चांदबाज, चिल, चांद सितारा जैसे भांति भांति नाम की पतंगों से सराबोर हो जाता। उसके बाद एक दूसरे की पतंगों को काटने का खेल खेला जाता। दूसरे की पतंग को काटने के लिए कोई ढील देता, कोई हेंच मारता तो कोई मुफ्त की सलाह फेंकता। ऐसे में जब दूसरे की पतंग कट जाती तो सामूहिक रूप से चिल्लाया जाता 'काटा है, काटा है, काटा है।'

मेरे द्वारा बताए गए पतंगबाजी के इतने धतकरम सुनने के सुनने के बाद बेटा कंफ्यूजिया गया और बोला 'बाबा, आप के जमाने की पतंगबाजी आप ही को मुबारक। हमें तो आज के जमाने की ही पतंगबाजी करने दो।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

मकर संक्रांति विशेष

जीवन में कृतज्ञता होने पर संक्रांति घटती है

सूर्य का दक्षिणायन से उत्तरायण होना ही मकर संक्राति कहलाती है। वैसे तो हर माह में एक सक्रांति आती है लेकिन सूर्य के आयाम बदलने पर इसे बड़े त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। इस समय शिशिर और बसंत का मिलन भी होने वाला होता है। कोई भी मिलन कितना मीठा होता है यह हम सब जानते हैं। मिलन में ही सर्वाधिक भावनाओं का आदान-प्रदान होता है। एक सैनिक लंबी ड्यूटी के बाद घर परिवार से मिलता है तो उन पलों में क्या होता होगा उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल ही नहीं असंभव प्रतीत होता है। मिलन का यही स्वरूप हमारी परम्पराओं में पूजा का भी होता था इसलिए संध्या वंदन जैसी आराधना दिन के तीन मिलन बिन्दुओं सुबह, दोपहर और गोधूलि पर करने का प्रावधान है।

डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट

लेखक स्तंभकार हैं।

प्रकृति से जुड़े हर पक्ष को त्यौहार में बदलकर हमारे जीवन का अभिन्न अंग बनाने वाले हमारे ऋषि मुनि का दृष्टिकोण कितना व्यवहारिक था कि वे जानते थे कि उल्लास, खुशी ही एक मानव का प्रमुख ध्येय में से एक है। इससे दूर जाने पर ही सारा प्रपंच, विकार पैदा होते हैं। जैसे ही हम प्रकृति से दूर जाते है वैसे ही हमारी समस्याओं में बढ़ौतरी होती जाती है। इसीलिए अपने देश में यह उक्ति प्रसिद्ध है कि 'सदा दीवाली साल भर, सातों वार त्यौहार'। ऋषि-मुनियों ने मुख्यतः चार बातों पर ध्यान दिया था। पहली उत्तरायण-दक्षिणायण की गोलार्द्ध स्थिति, दूसरी चन्द्रमा की घटती-बढ़ती कलाएं, तीसरा नक्षत्रों का भूमि पर आने वाला प्रभाव और चौथा सूर्य की अंश किरणों का मार्ग। इन सब का हमारी शरीरगत ऋतु अग्नियों के साथ संबंध होने से क्या परिणाम होता है? मन की गति इनके अनुसार किस तरह परिवर्तित होती है? इन सूक्ष्म तत्वों का त्योहारों के निर्धारण से गहरा संबंध था। इन सबका मनुष्य के जीवन और मूल्यों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माघ के महीने में सूर्य का महत्व बढ़ जाता है, क्योंकि उसकी गति उत्तरायण की ओर बढ़ती है और ऐसा प्रतीत होता है कि ईश्वर भी हम सब को कह रहे हो, अंधकार को छोड़ प्रकाश की ओर बढ़ो। केवल सूर्य का दक्षिणायन से उत्तरायण होना ही मकर संक्राति कहलाती है। वैसे तो हर माह में एक सक्रांति आती है लेकिन सूर्य के आयाम बदलने पर इसे बड़े त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। इस समय शिशिर और बसंत का मिलन भी होने वाला होता है। कोई भी मिलन कितना मीठा होता है यह हम सब जानते हैं। मिलन में ही सर्वाधिक भावनाओं का आदान-प्रदान होता है। एक सैनिक लंबी ड्यूटी के बाद घर परिवार से मिलता है तो उन पलों में क्या होता होगा उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल ही नहीं असंभव प्रतीत होता है। मिलन का यही स्वरूप हमारी परम्पराओं में पूजा का भी होता था इसलिए संध्या वंदन जैसी आराधना दिन के तीन मिलन बिन्दुओं सुबह, दोपहर और गोधूलि पर करने का प्रावधान है।

छांदोग्य उपनिषद में सूर्य के उत्तरायण का महत्व बताया गया है। पिछले छः माह अंधेरे को समर्पित तो उत्तरायण के बाद के छः माह प्रकाश को समर्पित होते हैं। गीता के आठवें अध्याय में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा भी सूर्य के उत्तरायण का महत्व स्पष्ट किया गया है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'हे भरत श्रेष्ठ! ऐसे लोग जिन्हें ब्रह्म का बोध हो गया हो, अग्निमय ज्योति देवता के प्रभाव से जब छह माह सूर्य उत्तरायण होता है, दिन के प्रकाश में अपना शरीर त्यागते हैं, पुनः जन्म नहीं लेना पड़ता है। जो योगी रात के अंधेरे में, कृष्ण पक्ष में, धूम्र देवता के प्रभाव से दक्षिणायन में अपने शरीर का त्याग करते हैं, वे चंद्रलोक में जाकर पुनः जन्म लेते हैं। वेदशास्त्रों के अनुसार, प्रकाश में अपना शरीर छोड़ने वाला व्यक्ति पुनः जन्म नहीं लेता, जबकि अंधकार में मृत्यु प्राप्त होने वाला व्यक्ति पुनः जन्म लेता है। यहाँ प्रकाश एवं अंधकार से तात्पर्य क्रमशः सूर्य की उत्तरायण एवं दक्षिणायन स्थिति से ही है। संभवतः सूर्य के उत्तरायण के इस महत्व के कारण ही भीष्म ने अपना प्राण तब तक नहीं छोड़ा, जब तक मकर संक्रांति अर्थात सूर्य की उत्तरायण स्थिति नहीं आ गई।

मिलन तमाम अन्य भावों के साथ अद्भुत प्रसन्नता देता है और ऐसे समय कोई से भी कुछ भी मांगो वह देने को आतुर रहता है। जैसे नदियाँ भी इस समय इठलाती हैं, प्रसन्न रहती हैं क्योंकि इस समय नदियों से वाष्पन होता है, जो हमारे लिए भविष्य में बरसात की बुनियाद है और इस वाष्पन से हमारे रोग हरने की क्षमता होती है। इसलिए भी इस समय नदियों में स्नान पवित्र माना जाता है। इस समय दिन बड़े होने लगते है तो मानव की कार्यक्षमता में भी बढ़ौतरी होती है। असम में बिहू तो पंजाब में लोहड़ी के रूप में मकर संक्रांति मनाने के पीछे फसल अपनी परिपक्वता पर पहुँचना है। गुजरात में पतंग संक्रांति, बिहार में तिलकुट, उड़ीसा, बंगाल, झारखेड में टुसू, तमिलनाडू में पोंगल के भिन्न-भिन्न रूपों में उल्लास बहता है। खिचड़ी, तिल, गुड आदि इस समय का श्रेश्ठ निवाला माना जाता है। ये तीनों पाचन क्षमता, प्रतिरोधक क्षमता विकास से जुड़े हुए हैं साथ ही इनकी तासीर भी गर्म रहती है तो ठंड में षरीर के ताप को संतुलित बनाए रखने में भी मदद करती है।

सूर्य को पिता स्वरूप माना गया है और इसलिए सारे ग्रह-नक्षत्र सभी उनकी परिक्रमा करते हैं। सूर्य का महात्म ही यही है कि उसके बगैर जीवन की कल्पना करना ही असंभव है। ऋग्वेद में कहा गया है, 'आप्रा द्यावा पृथिवी अंतरिक्षः सूर्य आत्मा जगतस्थश्च' संसार की समस्त चर, अचर के लिए सूर्य आत्मा है। सूर्य को कृतज्ञता व्यक्त करने से संबंधित योग सूर्य नमस्कार भी उस अतुलनीय क्षमता को नमन करना है जिसकी वजह से हम सब हैं। सूर्य के एक आयाम बदलने पर संक्रांति घटती है उसी तरह जैसे अंधकार से प्रकाश में आने, अज्ञान से ज्ञान में आने पर हमारा भी आयाम बदल जाता है। अंगुलिमाल हो चाहे कालिदास एक आयाम बदला तो क्या से क्या हो गए। जीवन ज्ञान पर ही आधारित है, सूचनाओं पर नहीं। ज्ञान का जीवन में दृढ़ होना ही प्रकाषवान हो जाना है। जैसे सूर्य से यह सृष्टि प्रकाशित होकर खिलती है, चलायमान होती है वैसे ही ज्ञान का प्रकाश हमें आगे की ओर बढ़ाता है, जड़ता से बचाता है, विकारों से बचाता है। शिशिर ऋतु में वातावरण में सूर्य के अमृत तत्व की प्रधानता रहती है। मकर संक्रांति के अवसर पर शीत अपने यौवन पर होता है। शाक, फल, वनस्पतियां इस अवधि में अमृत तत्व को अपने में सर्वाधिक आकर्षित करती हैं और उसी से पुष्ट होती हैं।

रामायण काल में तीर्थराज प्रयाग में महर्षि भारद्वाज का आश्रम एवं साधना आरण्यक था। उनके सानिध्य में माघ महीने में भारत वर्ष के अनेक क्षेत्रों के आध्यात्मिक मुमुक्षु साधक एकत्रित होते थे। वे प्रयाग में एक मास का कल्पवास करते थे और चन्द्रायण तप के साथ महाविद्या की साधना करते थे। तुलसीदास के रामचरितमानस में भी इसका उल्लेख मिलता है, 'माघ मकर गत रवि जब होई, तीरथ-पतिहि आव सब कोई।' आगे फिर कहा है, 'ऐहि प्रकार भरि माघ नहाही, पुनि सब निज-निज आश्रम जाहीं।' इसका अर्थ है, माघ महीने में सभी साधक-तपस्वी प्रयाग में आकर अपनी साधना पूरी करते थे और फिर यथाक्रम वापस लौटते थे। साधना के लिए श्रेष्ठ काल का तमगा इसी समय को हासिल है। ऐसे में की गई साधना गई गुना ज्यादा लाभ प्रदान करती है क्योकि इस समय सारी स्थितियां सर्वथा अनुकूल होती है।

पर्यावरण

रस्म अदायगी न बने आबोहवा की फिक्र

नदी, बावडी, कुओं, तालाबों आदि प्राकृतिक जल स्त्रोतों को अतिक्रमण, सीवरेज व औद्योगिक अपशिष्ट से संकुचित, प्रदूषित कर उपयोग के लिए अप्रयुक्त बनाया या विलुप्ति की कगार पर पहुंचा दिया है. वनों व वृक्षों की कटाई ने हरितिमा के साथ प्राण वायु को लील लिया है. उद्योग की विषैली गैसे वातावरण को दूषित कर रही है. वायु प्रदूषण ने सांसों के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी है. पहाड़ों पर चौड़ी सड़कों व बांधों ने अलग संकट खड़े कर दिए है. जलजनित व वायुजनित बीमारियों ने जनजीवन को संकट में तो डाला ही है, चिकित्सा सुविधाओं के व्यवसायीकरण ने परिवारों को आर्थिक संकट में उलझा दिया है. बेतरतीब बरसात, बढ़ता तापमान व लम्बी अवधि की गर्मी इस संकट के प्रमाण है.

सुरेश उपाध्याय

लेखक स्तंभकार हैं।

हवा और पानी जीवन के आधार हैं तथा आज विकास के तमाम दावों और वादों के बीच इनकी उपलब्धता, शुद्धता और गुणवत्ता को लेकर गम्भीर संकट आसन्न है. इंदौर के भागीरथपुरा में दुषित पानी से एक मासूम सहित इक्कीस नागरिकों की मौत तथा सैंकड़ों के अस्वस्थ होने की घटना ने स्तब्ध कर दिया है. इसकी सुर्खियां बनी हुई है और इसी बीच सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर की रिपोर्ट ने खौफ का विस्तार कर दिया है. इस रिपोर्ट के मुताबिक देश के 4041 में से 1787 शहर गम्भीर वायु प्रदूषण के शिकार हैं. देश की राजधानी दिल्ली दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में से एक है तथा प्रतिवर्ष नागरिक जीवन के समक्ष जो जटिल स्थितियां निर्मित होती है, उससे सभी वाबस्ता हैं.

जब हवा और पानी से डर लगने लगे तो थोड़ा रुककर सोचना चाहिए कि हम कहां जाना चाहते थे और कहां आ गए है. विकास के नाम पर हमने जो रास्ता चुना उसने हमें विनाश की कगार पर पहुंचा दिया है. नदी, बावड़ी, कुओं, तालाबों आदि प्राकृतिक जल स्त्रोतों को अतिक्रमण, सीवरेज व औद्योगिक अपशिष्ट से संकुचित, प्रदूषित कर उपयोग के लिए अप्रयुक्त बनाया या विलुप्ति की कगार पर पहुंचा दिया है. वनों व वृक्षों की कटाई ने हरितिमा के साथ प्राण वायु को लील लिया है. उद्योग की विषैली गैसे वातावरण को दूषित कर रही है. वायु प्रदूषण ने सांसों के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी है. पहाड़ों पर चौड़ी सड़कों व बांधों ने अलग संकट खड़े कर दिए है. जलजनित व वायुजनित बीमारियों ने जनजीवन को संकट में तो डाला ही है, चिकित्सा सुविधाओं के व्यवसायीकरण ने परिवारों को आर्थिक संकट में उलझा दिया है. बेतरतीब बरसात, बढ़ता तापमान व लम्बी अवधि की गर्मी इस संकट के प्रमाण है. पर्यावरण नियमों व कानूनों की अनदेखी/अवहेलना की जा रही है. किसी को इन नियमों/कानूनों के अनुपालन की चिंता नही है और जिम्मेदारी व जवाबदेही जैसे शब्द अपना बजूद खो चुके हैं.

चमचमाती फोरलेन/सिक्सलेन सड़कों, मल्टीलेयर फ्लायओवर, माल व तथाकथित आधुनिक जीवन शैली की चकाचौंध में जीवन के आधार तत्वों के प्रति घोर लापरवाही ने जनजीवन के सामने जो संकट खड़े किए है, वह किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं है. मानव निर्मित इन खतरों के संकेतों को पढ़ने, समझने व उस पर गम्भीरता से चिंतन व मनन की जरुरत है. अल्पकालीन व दीर्घकालीन स्तर पर दो तरह की नीतियों व कार्यक्रमों पर विचार - विमर्श की जरुरत है. अल्पकालीन नीतियों व कार्यक्रमों में उपलब्ध संसाधनों के समुचित, समंवित, सुव्यवस्थित व समावेशी वितरण को सुनिश्चित किया जाना चाहिए. दीर्घकालीन नीतियों के अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्धन के उपाय सुनिश्चित किया जाना चाहिए. नदियों, तालाबों, कुओं का पुनर्जीवन करने के लिए उनकी सफाई ही पर्याप्त नही है. उनके सीमांकन के साथ उनके व केचमेंट एरिया के अतिक्रमण हटाने होंगे तथा सीवरेज व उध्योगो के अपशिष्ट को मिलने से रोकना ही होगा. नदियो के पानी को ट्रीटमेंट प्लांट से शुद्ध व साफ करने का विचार निरर्थक है. नदियो को उनका प्राकृतिक स्वरुप व सौंदर्य लौटा दीजिए वे अपनी सफाई स्वयम कर लेगी.

इंदौर के भागीरथपुरा का संकट इसलिए अधिक गम्भीर संकेतक है कि इस शहर को प्रदेश की आर्थिक व व्यवसायिक राजधानी कहा जाता है, देश में आठ मर्तबा सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल है, स्मार्ट सिटी में इसका चयन किया गया है तथा वाटर प्लस का तमगा भी मिला हुआ है. घोर लापरवाही, संवेदनहीनता की इस घटना को सिस्टम (प्रणाली) का दोष बताकर व्यक्तिगत जवाबदेही से छूट का रास्ता निकालना ही कहा जा सकता है. सिस्टम (प्रणाली) लोगो को कार्य की जिम्मेदारी व इसका निर्वाह नियम / कानून के अनुसार करने का ही नाम है. इतनी जघन्य घटना में एक दो का निलम्बन व स्थानांतरण लिपापोती व आक्रोश को कम करने का प्रयास ही कहा जा सकता है. जिनके परिजन इस घटना में गुजरे हैं, उनके दर्द व पीडा को महसूस करने की जरुरत है, आर्थिक सहायता को मौत का मुआवजा मानना / कहना निकृष्टतम सोच होकर निंदनीय है. शहर के मास्टर प्लान कागजी कार्रवाई बन कर रह गए हैं, समय पर न प्लान तैय्यार होते हैं न उनका क्रियांवयन ठीक से होता है. शहर की बुनियादी जरुरतों की पूर्ति नही हो रही है और उनका अनावश्यक विस्तार किया जा रहा है. अवैध कालोनियो व निर्माणों का काम बेरोकटोक जारी है. शहर के मास्टर प्लान के साथ पानी (पेय व उपयोगी), सीवरेज व हरियाली का भी मास्टर प्लान बनाना जरुरी है. इनके क्रियांवयन की एजेंसियों में समंवय जरुरी है अन्यथा सिवरेज वाले पानी के तथा पानी वाले सिवरेज के पाइप में तोडफोड करते रहेंगे तथा जिम्मेदारी एक दूसरे पर थोपते रहेंगे और सिस्टम की खामी बताकर व्यक्तियो को बचाते रहेंगे. पानी का कारोबार तो बढ़ ही रहा है, भागीरथपुरा जैसी घटनाएं उसके लिए बुस्टर डोज का काम करेगी तथा अभी नही चेते तो सम्भव है निकट भविष्य में शहरो में भुगतान पर आक्सीजन बुथ की सेवाए प्रारम्भ हो जाएगी.

आबोहवा की फिक्र मनुष्य, प्राणी व वनस्पति जगत के अस्तित्व के लिए बेहद आवश्यक है. धीमी मौतों व गम्भीर रोगो के लिए यह प्रीवेंटिव ट्रीटमेंट (निवारक उपचार) है. यह फिक्र रस्म अदायगी बन कर न रह जाए, वर्तमान व भावी पीढी के लिए यह हमारा कर्तव्य भी है तथा धर्म समझे तो धर्म भी है.

प्रतिक्रिया

भारत में श्रमिक आंदोलन और हड़तालों का बदलता परिदृश्य

बैंकिंग क्षेत्र में श्रमिक आंदोलन के क्षीण होने में केवल परिस्थितियाँ ही नहीं, बल्कि जानबूझकर अपनाई गई प्रबंधकीय रणनीतियाँ भी प्रमुख रही हैं। प्रबंधन ने 'पेशेवर' रुख अपनाते हुए श्रमिक प्रश्न को मानवीय विमर्श से हटाकर मात्र प्रदर्शन और लक्ष्य की भाषा में सीमित कर दिया। यूनियन में सक्रिय कर्मचारियों की दूरस्थ स्थानों पर तैनात करना और अधिकारी संवर्ग में पदोन्नति उन्हें श्रमिक समुदाय से वैचारिक रूप से अलग कर देता है। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती बंद कर यूनियनों की रीढ़ कमजोर कर दिया गया । साथ ही, तकनीकी हस्तक्षेप और स्वचालन ने मानवीय भूमिका सिकोड़कर सामूहिकता और सौदेबाजी—दोनों की शक्ति को कमजोर कर दिया। अनुशासनात्मक कार्रवाइयों और डर के माहौल ने हड़ताल में भाग लेने की हिम्मत भी कम कर दी, जिससे बैंकिंग क्षेत्र का श्रमिक आंदोलन प्रतिरोध से हटकर समायोजन और मौन की राजनीति में बदल गया।

अरूण कुमार डनायक

लेखक भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत सहायक महाप्रबंधक हैं ।

अजय बोकिल ने 'सुबह सवेरे' में 7 जनवरी 2026 को प्रकाशित अपने आलेख में गिग वर्कर्स की कठिन परिस्थितियों को बारीकी से उजागर किया। उन्होंने दिखाया कि ऐप आधारित डिलीवरी और कैब सेवाओं में लगे युवा, स्वतंत्र ठेकेदार होते हुए भी कंपनियों और ग्राहकों के दबाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। बोकिल का यह आलेख श्रमिकों की वास्तविक स्थिति और आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था में हड़ताल की कमजोर होती शक्ति को समझने के लिए अत्यंत मौलिक और महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत में श्रमिक आंदोलन का इतिहास समृद्ध और निर्णायक रहा है। स्वतंत्र भारत के शुरुआती दशकों में सार्वजनिक क्षेत्र, बैंक, रेलवे और बड़े निजी उद्योगों में संगठित आंदोलन न केवल वेतन और सेवा शर्तों में सुधार लाए, बल्कि औद्योगिक संबंधों की दिशा भी निर्धारित की।

23 सितंबर 1954 को ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के आह्वान पर भारत में पहली अखिल भारतीय बैंक हड़ताल हुई। इसका मुख्य कारण केंद्र सरकार का लेबर अपीलीय न्यायाधिकरण (शास्त्री अवार्ड) के वेतन निर्णय में हस्तक्षेप करने का प्रयास था, जिससे कर्मचारियों को लगा कि सामूहिक सौदेबाजी और संस्थागत न्याय कमजोर किया जा रहा है। इस असहमति के चलते तत्कालीन श्रम मंत्री वी. वी. गिरी ने इस्तीफा दे दिया। यह घटना न्यायिक निर्णयों और श्रमिक हितों के बीच संतुलन की आवश्यकता और भारतीय श्रमिक आंदोलन में संस्थागत स्वतंत्रता और सामूहिक संघर्ष की महत्वता को दर्शाती है। इसके बाद 1960 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हड़ताल ने वेतन, पदोन्नति और सेवाशर्तों में सुधार कर बैंकिंग यूनियनों को निर्णायक शक्ति दी और देसाई अवॉर्ड को प्रेरित किया।

भारतीय रेल में 1974 की ऐतिहासिक हड़ताल जॉर्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में हुई। लगभग 17 लाख कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, बोनस, आठ घंटे की ड्यूटी और बेहतर कार्य स्थितियों की मांग की। सरकार की कड़ी दमनात्मक कार्रवाई के बावजूद यह हड़ताल भारतीय राजनीति और श्रमिक इतिहास की एक युगांतकारी घटना बनी और आगे चलकर आपातकाल की पृष्ठभूमि भी तैयार की।

मोरारजी देसाई के प्रधानमंत्रित्व के समय कोयल मजदूरों की हड़ताल सरकारी दमन और राजनीतिक समर्थन के अभाव का शिकार हुई।

निजी क्षेत्र में श्रमिक संघर्ष अपेक्षाकृत असुरक्षित रहे हैं। 2012 में मारुति सुजुकी, मानेसर में यूनियन मान्यता, अनुबंध प्रथा और कार्य परिस्थितियों को लेकर तनाव हिंसक रूप ले गया, जिससे एक प्रबंधक की मृत्यु हुई। परिणामस्वरूप कई कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया । कठोर न्यायिक दंड लागू होने से निजी उद्योगों में संगठित आंदोलन हतोत्साहित हो गए।

दत्ता सामंत के नेतृत्व में 1982 की मुंबई और 1977-78 की कानपुर मिल हड़ताल ने दिखाया कि लंबा संघर्ष पूरे उद्योग के पतन और बेरोजगारी का कारण बन सकता है।

उदारीकरण के बाद भारत में श्रमिक आंदोलन फीका पड़ गया। 1991 के बाद अर्थव्यवस्था में अस्थायी रोजगार बढ़े, जिससे हड़ताल की सामूहिक शक्ति कमजोर हुई। महँगी शिक्षा और छात्रों का कर्ज भी युवाओं को अस्थायी, जोखिमपूर्ण रोजगार स्वीकारने पर मजबूर करता है। सरकारी श्रम कानूनों और नीतिगत बदलावों ने इस प्रवृत्ति को और बल दिया; आर्थिक सुधारों का लक्ष्य निवेश और लचीलापन था, जिससे श्रमिक संरक्षण की मूल भावना धीरे-धीरे कमजोर हुई और हड़तालें अप्रभावी हो गई ।

श्रम कानूनों में नए बदलावों के बाद श्रमिक आंदोलन पर तीन प्रमुख प्रभाव पड़े। सबसे पहले, ठेका प्रथा, आउटसोर्सिंग और अस्थायी नियुक्तियों से नौकरी की स्थायित्व कम हुई, जिससे यूनियनों की सामूहिक शक्ति कमजोर पड़ी और आंदोलन में भाग लेना जोखिमपूर्ण हुआ । दूसरा, एसमा का व्यापक उपयोग, लंबी नोटिस अवधि और हड़तालों को अवैध ठहराने की प्रवृत्ति ने आन्दोलन के मौलिक अधिकार को सीमित किया। तीसरा, 2020 की चार श्रम संहिताओं और 2025 के शीतकालीन सत्र में पारित नए कानूनों ने नियोक्ताओं को 'हायर एंड फायर' में अधिक लचीलापन दिया, जबकि ट्रेड यूनियनों की मान्यता और सामूहिक सौदेबाजी प्रक्रिया जटिल बना दी। इन बदलावों ने संगठित विरोध की संभावना और पारंपरिक हड़तालों की शक्ति दोनों को कमजोर किया।

बैंकिंग क्षेत्र में श्रमिक आंदोलन के क्षीण होने में केवल परिस्थितियाँ ही नहीं, बल्कि जानबूझकर अपनाई गई प्रबंधकीय रणनीतियाँ भी प्रमुख रही हैं। प्रबंधन ने 'पेशेवर' रुख अपनाते हुए श्रमिक प्रश्न को मानवीय विमर्श से हटाकर मात्र प्रदर्शन और लक्ष्य की भाषा में सीमित कर दिया। यूनियन में सक्रिय कर्मचारियों की दूरस्थ स्थानों पर तैनात करना और अधिकारी संवर्ग में पदोन्नति उन्हें श्रमिक समुदाय से वैचारिक रूप से अलग कर देता है। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की भर्ती बंद कर यूनियनों की रीढ़ कमजोर कर दिया गया । साथ ही, तकनीकी हस्तक्षेप और स्वचालन ने मानवीय भूमिका सिकोड़कर सामूहिकता और सौदेबाजी—दोनों की शक्ति को कमजोर कर दिया। अनुशासनात्मक कार्रवाइयों और डर के माहौल ने हड़ताल में भाग लेने की हिम्मत भी कम कर दी, जिससे बैंकिंग क्षेत्र का श्रमिक आंदोलन प्रतिरोध से हटकर समायोजन और मौन की राजनीति में बदल गया।

बेहतर वेतन और करियर अवसरों ने कर्मचारियों के एक हिस्से को सामूहिक संघर्ष से विमुख किया, जबकि स्थायी नियुक्तियों में गिरावट से यूनियन सदस्यता घटी। परिणामस्वरूप बार-बार की बैंक हड़तालें उपभोक्ताओं के लिए असुविधाजनक बनीं और सामाजिक समर्थन धीरे-धीरे कम होता गया।

संसद में वामपंथी दलों का प्रतिनिधित्व घटने से श्रमिक हितों पर बहसें भी सीमित होती चली गईं। हड़तालों और आंदोलन को राजनीतिक संरक्षण और वैचारिक समर्थन मिलना कम हो गया । राजनीतिक दलों ने श्रमिक नेताओं को चुनावी राजनीति से दूर रखा, जिससे ट्रेड यूनियन नेतृत्व और संसदीय प्रक्रिया के बीच कड़ी टूट गई। निवेश-अनुकूलता के नाम पर श्रम सुधारों की बहस औपचारिकता बन गई, और हड़ताल जैसा अहिंसक साधन प्रायः निष्प्रभावी प्रतिरोध रह गया।

स्वतंत्र भारत के संगठित श्रमिक आंदोलन से गिग अर्थव्यवस्था तक की यह यात्रा केवल आर्थिक बदलाव की नहीं, बल्कि श्रमिक शक्ति, न्याय और संरक्षण के लगातार सिमटते दायरे की कहानी है। कर्मचारी संघों और नेताओं के उत्पीड़न और सरकारी दमन के बावजूद ऐतिहासिक हड़तालों ने वेतन, सेवा शर्तों और सामाजिक सुरक्षा को मजबूती दी, किंतु उदारीकरण, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और नई श्रम संहिताओं ने सामूहिक प्रतिरोध को क्रमशः कमजोर किया। आज गिग वर्कर्स और असंगठित श्रमिकों की असुरक्षा यह दर्शाती है कि नीतिगत प्राथमिकताएँ अक्सर श्रम के बजाय बाज़ार के पक्ष में झुकी रहीं। ऐसे में गांधीजी द्वारा 'यंग इंडिया' (11 फरवरी 1920) में प्रतिपादित न्यूनतम मानवीय मानक—उचित कार्य घंटे, शिक्षा, स्वच्छ आवास और बुढ़ापे की सुरक्षा—आज भी याद दिलाते हैं कि श्रम केवल उत्पादन का साधन नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा का मूल प्रश्न है।

ब्रह्मलीन मुद्गल जी की स्मृति में रामकथा प्रारंभ

सुबह सवेरे सोहागपुर । पलाश परिसर शम्भू दरबार में ब्रह्मलीन पंडित भगवतीप्रसाद जी मुद्गल की स्मृति में प्रतिवर्षानुसार इस साल भी 29वीं श्रृंखला में श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा का वाचन अनंतश्री विभूषित हनुमत द्वार पीठाधीश्वर जगदगुरू रामानंदाचार्य स्वामी श्री धीरेन्द्राचार्य जी महाराज चित्रकूट धाम द्वारा किया जा रहा है। प्रथम दिवस कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुई। कथा में महाराज जी ने राम कथा के महत्व एवं श्रद्धा और विश्वास का मिलन जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खासकर जब बात भगवान या आत्म-विकास की हो। शिव पार्वती जी का विवाह इसी श्रद्धा और विश्वास के मिलन का प्रतीक है। माता पार्वती जी श्रद्धा का और शिव जी विश्वास का प्रतिनिधित्व करते है। शम्भू दरबार में राम क्या के प्रथम दिवस भारी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

स्वामी ईशानानंद आश्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

सुबह सवेरे सोहागपुर । समीपवर्ती ग्राम ईश्वरपुर में स्वामी ईशानानंद आश्रम परिसर में अखण्ड रामचरितमानस पाठ, भजन कीर्तन, हवनपूजन के उपरांत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर

स्कूली छात्रों छात्राओं के खेल-कूद एवं सांसकृतिक कार्यक्रम की प्रस्तूति की गई। इस अवसर पर मुख्य वक्ता अध्यक्ष स्वामी ईशाननंद सरस्वती एवं स्वामी वीरेश्वरानंद ने स्वामी विवेकानंदजी की जीवन आदर्श,शिक्षा, समाज सुधारक सिद्धांत, राष्ट्रवाद एवं सनातन धर्म को विस्तार से सारगर्भित जानकारी दी। इसी अवसर पर अतिथि गणस्वामी सत्यात्माननंद पुरी, स्वामी आत्मानन्द, भारत भूषण राय रिटायर्ड एस.पी. लोकायुक्त विभाग, भोपाल, कृष्णकुमार दोहार, रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर,आबकारी, पूर्व विधायक देवेंद्र पटेल, जितेंद्र ठाकुरभोपाल, करण पटेल, राघवेंद्र सिंह रघुवंशी, विक्रम रघुवंशी, पंडित सुजीत पात्र इटारसी, आर एस एस के जिला प्रचारक नरेन्द्र मिश्रा, महेन्द्र चौधरी, जालम सिंह पटेल, धर्मेन्द्र चौहान पूर्व भाजपा युवा अध्यक्ष,रायसेन, महेंद्र शर्मा, अखिलेश दीवान के अलावा भारी संख्या में स्कूल के छात्र छात्राएं ग्रामवासी उपस्थित थे। अतिथियों ने छात्र छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए। अंत में भंडारा का आयोजन किया गया।

भावांतर योजना में उपज बेचने आज अंतिम दिन

8233 किसानों ने कराया था पंजीयन, सिर्फ 3812 किसानों ने 89781 क्विंटल बेची सोयाबीन

बैतूल। भावांतर योजना के तहत सोयाबीन की खरीदी का आज अंतिम दिन है। 15 जनवरी के बाद भावांतर योजना में सोयाबीन खरीदी बंद हो जाएगी। जिले में कुल 8233 किसानों ने भावांतर योजना के तहत पंजीयन कराया था, उसमें से 13 जनवरी तक 3812 किसानों ने 89,781 क्विंटल सोयाबीन बेचकर योजना का लाभ लिया, जबकि जिले की बडोरा, मुलताई और भैंसदेही मंडी में भावांतर योजना के तहत सोयाबीन बेचने वाले 2197 किसानों का 19 दिसंबर 2025 तक भुगतान भी हो चुका है। 20 दिसंबर के बाद जिन किसानों ने भावांतर योजना में सोयाबीन बेची थी, उनके खाते में 22-24 दिन बाद भी अंतर की राशि का भुगतान नहीं हुआ है, जबकि योजना में 15 दिन के भीतर अंतर की राशि का भुगतान करने का नियम है। फिर भी, सरकार किसानों को समय पर भुगतान नहीं कर पा रही है। भुगतान कब होगा, इसका जवाब अफसरों के पास भी नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर पर किसानों के खाते में सीधे भुगतान किया जाता है। अभी तक जो भी भुगतान हुआ है, वह भोपाल स्तर पर ही

हुआ है। बता दे कि सरकार ने भावांतर योजना के तहत 24 अक्टूबर से सोयाबीन की खरीदी शुरू की थी और हर 15 दिन में अंतर की राशि के भुगतान का वादा किया था, लेकिन इस बार 22-24 दिन ज्यादा हो गए हैं। अब तक किसानों को भावांतर योजना के अंतर की राशि नहीं मिली है।

5157 रूपये मंडी में सोयाबीन के उच्चतम भाव - जिले की बडोरा मंडी में सोयाबीन का न्यूनतम भाव चार हजार और उच्चतम भाव 5157 रूपये प्रति क्विंटल तक है। जबकि शासन द्वारा सोयाबीन का समर्थन मूल्य 5328 रूपये तय किया है। इस प्रकार दोनों के बीच के अंतर की राशि भावांतर योजना के अंतर्गत सोयाबीन बेचने वाले किसानों को दी जा रही है। कृषि मंडी बडोरा से मिली जानकारी के अनुसार भावांतर भुगतान योजना के तहत सोयाबीन की खरीदी आज 15 जनवरी तक जारी रहेगी। पंजीकृत किसान आज अंतिम दिन भावांतर योजना के तहत निर्धारित मंडी में सोयाबीन बेच सकते हैं। भावांतर योजना के अंतर्गत सिर्फ नई सोयाबीन की ही खरीदी की जा रही है। पुरानी सोयाबीन बेचने पर भावांतर योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

2197 किसानों को 5. 47 करोड़ से अधिक का भुगतान - जिले की तीन कृषि उपज मंडियों में भावांतर योजना के तहत किसानों से सोयाबीन की खरीदी की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बैतूल बडोरा कृषि उपज मंडी में भावांतर योजना के तहत 1561 किसानों ने उपज बेची है, जिनका किसानों को 3,89,86,717 का भुगतान किया जा चुकी है। वहीं मुलताई कृषि उपज मंडी में 346 किसानों से योजना के तहत सोयाबीन खरीदी की गई। जिसका 86,41,669 रूपये का भुगतान किया है। इसी प्रकार भैंसदेही मंडी में 291 किसानों को 71,38,967 रूपये का भुगतान हुआ है। इसी प्रकार जिले के कुल 2197 किसानों को 5,47,67,353 रूपये का भुगतान हो चुका है।

आज खत्म हो जायेगी भावांतर योजना - सरकार ने भावांतर योजना के तहत 24 अक्टूबर से सोयाबीन की खरीदी शुरू की थी। योजना में सोयाबीन बेचने के लिए 8233 किसानों ने पंजीयन कराया था, लेकिन सिर्फ 3812 किसानों ने सोयाबीन बेची। यदि शेष पंजीकृत किसान आज 15 जनवरी को सोयाबीन नहीं बेची तो इसके बाद किसान भावांतर योजना का लाभ नहीं ले पायेगे। जानकारी के अनुसार 4421 ऐसे पंजीकृत किसान है, जिन्होंने अभी तक सोयाबीन नहीं बेची, जबकि करीब 1615 किसानों को भावांतर योजना के अंतर की राशि नहीं मिली है। इन किसानों ने 20 दिसंबर के बाद सोयाबीन की उपज भावांतर योजना के तहत मंडी में बेची थी।

इनका कहना है -3812 किसानों ने 89781 क्विंटल सोयाबीन बेची है। जिसमें से 2197 किसानों को करीब 5.47 करोड़ का भुगतान हो चुका है। योजना के तहत सोयाबीन बेचने का आज 15 जनवरी अंतिम दिवस है। इसके बाद सोयाबीन बेचने वाले किसानों को भावांतर योजना का लाभ नहीं मिल पायेगा।

- सुरेश परते, सचिव, कृषि उपज मंडी बडोरा

पूर्व सैनिकों ने मनाया 10वां सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस

बैतूल। 10वां सशस्त्र बल वेटेरन्स दिवस जिला सैनिक कल्याण कार्यालय बैतूल में 14 जनवरी को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट द्वारा वीर नारियों, वीर महिलाओं एवं वरिष्ठ पूर्व सैनिकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि सशस्त्र सेना के पूर्व सैनिक दिवस पर हम उन बहादुर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करते है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। सीमा की रक्षा के लिये अदम्य साहस, समर्पण, बलिदान और देशभक्ति के साथ निस्वार्थ सेवा करने वाले सशस्त्र बलों के सेवानिवृत सैनिकों के प्रति हमारा सदैव आभार रहेगा। इस अवसर पर कैप्टन भारतीय नौसेना सुमीत सिंह (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा 140 पूर्व सैनिकों को उनके द्वारा देश के लिए दिये गए सम्मानजनक योगदान के लिए प्रशासन द्वारा जारी किया प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन सेना

के प्रथम कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल के. एम. करिअप्पा देश के प्रति की गई सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। इस दिन को 2017 से देश के हर पूर्व सैनिक के प्रति सम्मान के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इन बहादुरों की वीरता, धैर्य, दृढ़ संकल्प और बहादुरी सशस्त्र बलों की वर्तमान और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती है। इस अवसर पर वीर नारीयां, गेलेन्ट्री अवॉर्ड से सम्मानित भूतपूर्व सैनिक, वरिष्ठ पूर्व सैनिक सहित 150 से अधिक भूतपूर्व सैनिक एवं जिला सैनिक बोर्ड के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

प्रथम पुण्यतिथि पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन

बैतूल। शाहपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मंडल अध्यक्ष स्व. सतीश मिश्रा जी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने आज 15 जनवरी गुरुवार को दोपहर 12 बजे से उनके निज निवास ग्राम पहावाड़ी, शाहपुर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। मिश्रा परिवार ने समस्त परिचितों, शुभचिंतकों से आयोजन में शामिल होने का आग्रह किया है।

लापरवाही पर सीएचओ और एएनएम के विरुद्ध होगी कार्यवाही

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा 13 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की गई, जिसमें गर्भवती माताओं की जांच एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की चिन्हांकन एवं प्रबंधन में कम उपलब्धि पाई गई। जिस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने गर्भवती महिलाओं की जांच, हाई रिस्क चिन्हांकन एवं प्रबंधन में लापरवाही एवं कार्य के प्रति उदासीनता बरतने पर तीन सीएचओ मोनिका भूमरकर हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर बोदी जूनामानी, ज्योति धोटे हेल्थ एंड बेलनेस सेंटर डेढ़पानी, संतोष बडकुले हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर चांदू रातामाटी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए कलेक्टर को सेवा समाप्त करने की अनुशंसा की। साथ ही डॉ.हुरमाड़े द्वारा सात सीएचओ को कारण बताओ नोटिस जारी किये तथा तीन एएनएम-श्रीमती संध्या कालभोर, श्रीमती उर्मिला इवने, श्रीमती गीता रघुवंशी को गर्भवती महिलाओं के पंजीयन समय पर नहीं करने, कार्य में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर दो-दो वेतन वृद्धि रोकने की कार्यवाही एवं तीन एएनएम को कारण बताओ नोटिस जारी किए।

जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता 16 एवं 17 जनवरी को

शासकीय शालाओं के 5064 विद्यार्थी देंगे परीक्षा

बैतूल। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा दूसरी से 8 वी तक के जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता में चयनित छात्रों की जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता प्रत्येक विकासखंड के चयनित परीक्षा केन्द्र पर 16 एवं 17 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से 5.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा कक्षा दूसरी से 8वीं तक के छात्रों के लिए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए ओएमआर शीट का उपयोग किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए समझ विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि जिला स्तरीय ओलम्पियाड प्रतियोगिता में 16 जनवरी को कक्षा दूसरी से तीसरी के छात्रों की हिन्दी, अंग्रेजी, गणित तथा कक्षा 6वीं से 8वीं के छात्रों की हिन्दी, संस्कृत एवं अंग्रेजी में तथा 17 जनवरी को कक्षा 4 से 5 वीं के छात्रों की हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण एवं कक्षा 6वीं से 8वीं के छात्रों की विज्ञान, गणित, सामा. विज्ञान की परीक्षा आयोजित की जाएगी। ओलम्पियाड प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए जन शिक्षा केन्द्र स्तर से विकासखंड के परीक्षा केन्द्र तक लाने एवं वापस ले जाने के लिए परिवहन की व्यवस्था विकासखंड स्तर से की गई है। साथ ही प्रतियोगिता में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों को परीक्षा केन्द्र पर ही भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। परीक्षा में छात्रों को सम्मिलित कराने की जवाबदारी संबंधित शाला के संस्था प्रमुख को सौंपी गई है।

उन्होंने बताया कि 16 एवं 17 जनवरी 2026 को होने वाली ओलम्पियाड परीक्षा के लिए जिले में 10 परीक्षा केन्द्रों में केन्द्राध्यक्षों की नियुक्ति कर दी गई है तथा केन्द्र पर परीक्षा की सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई है। सभी संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि ओलम्पियाड परीक्षा में सभी पंजीकृत छात्रों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित हो। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र के अवलोकन के लिए जिला स्तर से विभागीय अधिकारियों को नियुक्त किया गया है।

बाल वैज्ञानिक 15 जनवरी को जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में करेंगे अपने मॉडल का प्रदर्शन

बैतूल। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय जिला विज्ञान प्रदर्शनी सत्र 2025-26 का आयोजन पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल में 15 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे से किया जाएगा। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि उक्त छात्रों के लिए पूर्व में शाला स्तर, जन शिक्षा केन्द्र स्तर एवं विकास खण्ड स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। विकासखण्ड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में चयनित छात्र-छात्राएं अपने मॉडल का जिला स्तरीय प्रदर्शनी में प्रदर्शन करेगें। जिला स्तरीय प्रदर्शनी में गणित, विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के मॉडल, प्रादर्श सम्मिलित होगें। इसी के साथ-साथ विकास खण्ड स्तर पर विचार संगोष्ठी, एकल गीत, लघु नाटिका में चयनित छात्र जिला स्तर पर अपना प्रदर्शन करेगें। जिला स्तरीय प्रदर्शनी में गणित विषय के कक्षा 6वीं से 8वीं के 19 मॉडल, विज्ञान एवं पर्यावरण विषय में कक्षा 6वीं से 8वीं के 3332 मॉडल तथा सामाजिक विज्ञान विषय में कक्षा 6वीं से 8वीं के 51 मॉडल इस प्रकार कक्षा 6वीं से 8वीं के कुल 103 मॉडल का प्रदर्शन किया जाएगा। विकासखण्ड स्तर से कक्षा 6वीं से 8वीं में विचार संगोष्ठी के 13 छात्र-छात्राएं, एकल गीत के 12 छात्र-छात्राएं तथा लघु नाटिका के 10 छात्र-छात्राएं इस प्रकार कुल 35 छात्र-छात्राएं विभिन्न विधाओं में भाग लेगें। इस प्रकार जिला स्तर पर कुल 138 विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों की सहभागिता कराने के लिए विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक समस्त विकासखण्डों को आदेशित किया है। जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी की समस्त तैयारियां कर संबंधित लोक सेवकों को दायित्व सौंपे गए है। जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में सम्मिलित होने वाले छात्रों के साथ उनके मार्गदर्शी शिक्षक भी उपस्थित होगें।

कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तीन स्थानीय अवकाश किए घोषित

बैतूल। मप्र शासन, सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने वर्ष 2026 के लिए जिले में तीन स्थानीय अवकाश घोषित किए हैं। ये अवकाश कोषालय एवं उपकोषालय पर लागू नहीं होंगे। अवकाश में भाई दूज 5 मार्च गुरुवार, मां ताप्ती जन्मोत्सव 21 जुलाई मंगलवार और अनंत चतुर्दशी 25 सितंबर शुक्रवार शामिल है।

कोल माइन सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ एचएमएस की मासिक बैठक आज

बैतूल। कोल माइन सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ (एचएमएस) जिला बैतूल की मासिक बैठक आज 15 जनवरी गुरुवार को शहीद भवन में प्रातः 11 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक में कोल पेंशनरों से जुड़ी प्रमुख समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। विशेष रूप से लोकसभा एवं कोयला मंत्री तथा ऑल इंडिया कोल पेंशनर्स एसोसिएशन के साथ दिल्ली में हुई बैठक की जानकारी साझा की जाएगी। इसके साथ ही उन कोल पेंशनर के विषय में भी चर्चा की जाएगी, जिन्होंने नया पीपीओ बनवाने हेतु फॉर्म जमा नहीं किए हैं, अथवा जिनके फॉर्म जमा होने के बावजूद सही पता उपलब्ध न होने के कारण पीपीओ नंबर जारी होने में विलंब हो रहा है। इस संबंध में सीएमपी कमिश्नर से प्राप्त जानकारी बैठक में रखी जाएगी। साथ ही एसबीआई बैंक को दिए गए पत्र की स्थिति से भी सभी को अवगत कराया जाएगा। संघ द्वारा समस्त कोल पेंशनर साथियों से अपील की जाती है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं। बैठक में प्रमुख रूप से अध्यक्ष डी.के. साहू, महामंत्री डी.आर. झरबडे, उपाध्यक्ष अजय सिंह राजपूत, दिनेश कुमार शर्मा, शिवप्रसाद धारसे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहेंगे।

कृषि विज्ञान केन्द्र में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बैतूल। कृषि विज्ञान केन्द्र बैतूल में 13 जनवरी को वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संचालक विस्तार सेवायें ज.ने.कृ.वि. वि.जबलपुर डॉ. टीआर शर्मा ने वर्चुअली जुड़कर की एवं वैज्ञानिक अटारी अंचल-9, जबलपुर डॉ. रजनीश श्रीवास्तव ने वर्चुअली जुड़कर विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। बैठक में डॉ. टीआर शर्मा ने केंद्र पर संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की एवं जिले के ज्यादा से ज्यादा कृषकों को लाभ पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन दिया। साथ ही जिले की आवश्यकता अनुसार गन्ना एवं धान की फसलों की उन्नत प्रजातियों को भी अपने परीक्षणों में शामिल करने का सुझाव दिया। वैज्ञानिक डॉ. रजनीश श्रीवास्तव द्वारा केन्द्र पर संचालित प्रक्षेत्रीय परीक्षण में तकनीकी रूप से सुधार के लिए सुझाव दिए एवं केन्द्र पर पदस्थ वैज्ञानिकों से इस केन्द्र की प्रगति को ओर ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए आग्रह

किया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.केव्ही सहारे ने केन्द्र का प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी कार्य योजना का विस्तृत ब्यौरा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक में बैतूल जिले के कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, नाबार्ड, बीज निगम, मत्स्य, बायफ आदि विभागों के विभाग प्रमुख प्रतिनिधि, प्रगतिशील कृषक सहित कुल 53 सदस्य उपस्थित थे। बैठक का संचालन वैज्ञानिक डॉ. संजीव वर्मा एवं आभार व्यक्त वैज्ञानिक डॉ. मेघा तिवारी ने व्यक्त किया। बैठक में आरडी बारपेटे, डॉ. एसके तिवारी, डॉ. संजय जैन, डॉ. एमपी इंगले, नेपाल बारस्कर, सौरभ मकवाना, आरएस यादव आदि का विशेष सहयोग रहा।

बैतूल में 18 जनवरी को होगा भव्य इनामी आम दंगल, दो लाख रुपये के नगद पुरस्कार

बैतूल। जय हनुमान व्यायाम शाला गंज बैतूल के तत्वावधान में दंगल आयोजन समिति बैतूल द्वारा 18 जनवरी 2026, रविवार को भव्य इनामी आम दंगल का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष विवेक मालवीय ने बताया दंगल का शुभारंभ दोपहर 12 बजे से होगा, जबकि पहलवानों का वजन सुबह 10 से 2 बजे तक लिया जाएगा। आयोजन स्थल राधाकृष्ण धर्मशाला के सामने, गंज बैतूल रहेगा। उपाध्यक्ष गौरव राठौर ने बताया दंगल में विभिन्न वजन वर्गों में मुकाबले कराए जाएंगे। 0-50 किलो, 50-60 किलो, 60-72 किलो, 72-85 किलो और 85 किलो से अधिक वर्गों में प्रथम व द्वितीय स्थान पाने वाले पहलवानों को आकर्षक नगद पुरस्कार दिए जाएंगे। संरक्षक अशोक दीक्षित और प्रमोद अग्रवाल ने बताया विशेष रूप से 85 किलो भार वर्ग के विजेता को बैतूल केसरी की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। कुल मिलाकर दंगल में 2 लाख रुपये के नगद इनाम रखे गए हैं। आयोजन समिति के अनुसार दंगल के निर्णायक के रूप में चंदन चक्रवर्ती (एनआईएस कोच, कटनी) एवं साथी रहेंगे। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संरक्षक, सचिव, कोषाध्यक्ष सहित विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। दंगल के दौरान नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता पर कार्रवाई की जाएगी। आयोजकों ने जिले सहित आसपास के क्षेत्रों के पहलवानों और खेल प्रेमियों से अधिक संख्या में उपस्थित होकर दंगल को सफल बनाने की अपील की है।

100 दिवसीय अभियान के तहत स्कूलों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता शिविर आयोजित

बैतूल। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा के उन्मूलन और भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग बैतूल द्वारा 27 नवंबर 2025 से 8 मार्च तक 100 दिवसीय जन जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। वन स्टॉप सेंटर काउंसलर श्रीमती शिखा भौंरासे ने बताया कि अभियान के तहत जिले के विभिन्न विद्यालयों में बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में विद्यार्थियों को बाल विवाह, बाल श्रम तथा पॉक्सो अधिनियम की जानकारी दी जा रही है। साथ ही बाल विवाह से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में भी बताया जा रहा है। दौरान बच्चों से अपील की गई कि वे स्वयं बाल विवाह न करें और यदि अपने आसपास कहीं भी बाल विवाह होता देखें तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग या प्रशासन को दें।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने जिले के 28 हजार छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग विद एजुकेशन डेस्क का वितरण किया

स्वामी विवेकानंद जन्म दिवस पर स्कूल बैग का वितरण ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक है - स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह

नर्मदापुरम (निप्र)। स्वामी विवेकानंद के जन्म जयंती के अवसर पर प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह ने पीएम श्री नर्मदा महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नर्मदा पुरम जिले के शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 27 हजार 778 छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग विद एजुकेशन डेस्क का वितरण किया। गेल इंडिया लिमिटेड द्वारा उक्त बैग आईआईटी कानपुर के द्वारा डिजाइन कराए गए हैं और सीएसआर के माध्यम से निर्मित किए गए हैं। उक्त स्कूल बैग विद एजुकेशन डेस्क की विशेषता है कि अब प्राथमिक शाला के बच्चे नीचे बैठकर बैग का उपयोग डेस्क के रूप में कर सकेंगे इससे उन्हें ब्लैक बोर्ड पढ़ने में आसानी होगी और उनके रीढ की हड्डी भी ठीक रहेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने स्वामी विवेकानंद के जन्म दिवस 12 जनवरी को उक्त बैग वितरण के कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं निर्गुण भारत कार्यक्रम 2023 के तहत बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य पर शोध करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा निरंतर छात्र-छात्राओं के हित में उनकी शैक्षणिक योग्यता को एवं गुणवत्ता को उच्च मानदंड तक स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। मंत्री श्री राव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का सपना है कि एक-एक पैसे का सार्थक और सदुपयोग हो। उन्होंने गेल इंडिया को धन्यवाद ज्ञापित किया जिन्होंने बच्चों के हित में अद्भुत कार्य करके दिखाया। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि हम अगले 3 वर्ष में सभी स्कूलों में शौचालय का निर्माण कार्य कंप्लीट कर देंगे। साथ ही नवीन शैक्षणिक सत्र से पहले ही विद्यार्थियों को पुस्तकों को वितरण कर देंगे, साथ ही छात्र छात्राओं को पुस्तकों के बोझ से मुक्ति दिलाने के लिए 500 में पाठ्य पुस्तक युक्त बस्ता तैयार कर सभी विद्यार्थियों को वितरित करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के 6 हजार स्कूलों में समीप में आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं ताकि आंगनबाड़ी से बच्चा सीधे शासकीय स्कूलों में एडमिशन ले सके। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में दूरस्त स्कूलों में शासकीय बस सेवा भी प्रारंभ की जाएगी। वर्तमान में बस सेवा के लिए सर्वे का कार्य भी चल रहा है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ सीता सरन शर्मा ने बैग विद एजुकेशन डेस्क की सराहना करते हुए कहां की छोटी क्लास के बच्चों के लिए यह फायदेमंद रहेगा। उन्होंने सभी बच्चों एवं बालकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि हम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए जो कर सकते हैं करेंगे। उन्होंने बताया कि मंत्री श्री राव के प्रयास से एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा नर्मदा लोक की स्वीकृति प्रदान की गई थी। वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जल्द ही नर्मदा लोक का भूमि पूजन करेंगे। श्रीमती नारोलिया ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन निरंतर विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को लाभान्वित करने का कार्य कर रही है। मंत्री श्री राव के नेतृत्व में सभी कार्य समय पर पूर्ण हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहली कक्षा से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों को स्कूल बैग विद एजुकेशन डेस्क का वितरण किया जा रहा है। अभी भी कई प्राइमरी स्कूल के बच्चे टाट पट्टी पर बैठकर शिक्षा ग्रहण करते हैं। इससे उनकी कमर झुकती है। नजर भी नीची रहती है। ब्लैक बोर्ड पर शिक्षक जो लिखते हैं बच्चों को सर ऊंचा करके देखना पड़ता है। स्कूल बैग विद एजुकेशन डेस्क मिलने पर बच्चों की नजर एवं रीढ सीधी रहेगी। साथ ही यह बच्चों के स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर रहेगा। उन्होंने कहा कि सभी बच्चे आने वाले कल के भविष्य के निर्माता है। इसलिए हम सब का दायित्व है कि हम उन्हें एक अच्छा माहौल दे, जिसमें वे शिक्षा ग्रहण कर देश के एक सर्वश्रेष्ठ नागरिक बन सके। सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह ने कहा कि स्कूल बैग विद एजुकेशन डेस्क दिलाने का सराहनीय कार्य जिले में किया गया है। उन्होंने मंत्री श्री राव से मांग की की सोहागपुर के बच्चों को भी स्कूल बैग दिलाया जाए। सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा ने राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं गेल इंडिया का आभार व्यक्त करते हुए कहां की उनके प्रयासों से आज बच्चों को यह अनुपम सौगात मिली है, इससे बच्चों को लिखने पढ़ने में सुविधा होगी।

संक्षिप्त समाचार

17 साल की नाबालिग का विवाह रोका, समझाइश के बाद माने परिजन

बैतूल (निप्र)। बैतूल परियोजना शहरी के तिलक वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र भाग-2 क्षेत्र में नाबालिग बालिका के विवाह की सूचना पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने समय रहते कार्रवाई करते हुए बाल विवाह रुकवाया। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री गौतम अधिकारी ने बताया कि खड़से परिवार की 17 वर्ष 8 माह की बालिका का विवाह डोलरिया ग्राम के एक युवक से तय किया गया था। सूचना मिलते ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के तहत नियुक्त अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान बालिका की अंकसूची के आधार पर उसकी उम्र 18 वर्ष से कम पाई गई। जांच दल में सांख्यिकीय अन्वेक्षक श्री योगेश डोके, पर्यवेक्षक राखी ज्ञानचंदानी एवं वन-स्टॉप सेंटर की काउंसलर शिखा भौरासे शामिल रहीं। अधिकारियों ने बालिका व परिजनों को कानून की जानकारी देते हुए बताया कि 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के और 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की का विवाह अपराध की श्रेणी में आता है। इस अपराध में दो साल तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है, वहीं विवाह को निरस्त भी किया जा सकता है। समझाइश के बाद परिजन बालिका के 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह करने को राजी हो गए। मौके पर पंचनामा तैयार किया गया और वधु पक्ष को भी बालिका के बालिग होने तक विवाह न करने के निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा कालिका नगर नर्मदापुरम स्थित नर्मदा बैकरी एवं पेटिस पार्लर की जांच की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार एवं जितेंद्र सिंह राणा द्वारा निरीक्षण के दौरान गंदगी में ब्रेड एवं टोस्ट का निर्माण होना पाया। बैकरी संचालक द्वारा परिसर की साफ सफाई नहीं की जा रही है और मकड़ी के जाले और अस्वच्छ वातावरण में ब्रेड पेटिस और टोस्ट का निर्माण किया जाना पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश दियावार द्वारा ब्रेड और टोस्ट के नमूने जांच हेतु लिए गए। विक्रेता को नोटिस जारी किया जा रहा है। संगृहीत नमूने राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। इसके अतिरिक्त विक्रेता के द्वारा खाद्य पदार्थों पर निर्माण तिथि और अवसान तिथि का उल्लेख नहीं किया जा रहा है। सुधार होने तक निर्माण इकाई का संचालन न करने का निर्देश दिए गए है और इसलिए तुरंत प्रभाव से निर्माता का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

रायसेन में डीआईजी श्री कपूर के मुख्य आतिथ्य में 'सृजन' किशोर सशक्तिकरण कार्यक्रम का हुआ समापन

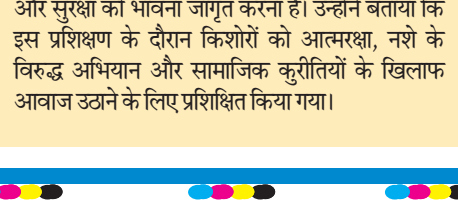

रायसेन (निप्र)। सामुदायिक पुलिसिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए रायसेन जिला पुलिस द्वारा आयोजित 'सृजनः किशोर सशक्तिकरण सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम' का विधिवत समापन पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री विनीत कपूर के मुख्य आतिथ्य में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के सभागार में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता द्वारा की गई। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डीआईजी श्री विनीत कपूर ने कहा कि 'सृजन' जैसे कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य पुलिस और जनता, विशेषकर युवाओं के बीच की दूरी को कम करना है। उन्होंने कहा कि किशोर अवस्था जीवन का वह पड़ाव है जहाँ सही मार्गदर्शन मिलने पर एक युवा राष्ट्र निर्माण में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता ने कहा कि 'सृजनः किशोर सशक्तिकरण सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम' के माध्यम से जिले के अनेक किशोरों को पुलिस की कार्यप्रणाली से रूबरू कराया गया है। इसका उद्देश्य किशोरों के मन से पुलिस का भय निकालकर उनमें कानून के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना जागृत करना है। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण के दौरान किशोरों को आत्मरक्षा, नशे के विरुद्ध अभियान और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रशिक्षित किया गया।

संभागायुक्त व आईजी ने श्री अन्न मिलेट्स मेले का किया अवलोकन

बैतूल (निप्र)। संभागायुक्त श्री कृष्ण गोपाल तिवारी एवं पुलिस महानिरीक्षक श्री मिथलेश कुमार शुक्ला ने सोमवार को ओपन ऑडिटोरियम बैतूल में आयोजित श्री अन्न मिलेट्स मेले का अवलोकन किया। उन्होंने मेले में लगे विभिन्न स्टालों का भ्रमण कर मिलेट्स से बने उत्पादों की जानकारी ली और उनके स्वाद का अनुभव किया।इस दौरान संभागायुक्त श्री तिवारी ने मिलेट्स को पोषण और स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए किसानों , महिला स्व सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक उत्पादों, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मिलेट्स के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन को बढ़ावा देकर आय में वृद्धि की जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में मिलेट्स आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जाए, जिससे आमजन में श्री अन्न के प्रति रुचि बढ़े। पुलिस महानिरीक्षक श्री मिथलेश कुमार शुक्ला ने भी मिलेट्स को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बताते हुए कहा कि इस प्रकार के मेलों से लोगों को पारंपरिक और पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी मिलती है। उन्होंने मिलेट्स से बने उत्पादों की गुणवत्ता की प्रशंसा की। मेले में मिलेट्स से बने विभिन्न खाद्य पदार्थों के साथ-साथ इनके पोषण संबंधी लाभों की जानकारी भी प्रदर्शित की गई। उल्लेखनीय है कि ओपन ऑडिटोरियम में किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, तासी दर्शन और प्रत्याशा गर्ल्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्री अन्न मिलेट्स मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी और कांगनी जैसे मोटे अनाजों से बने विभिन्न व्यंजन उपलब्ध है।

आपातकालीन वाहनों की सुगम आवाजाही के लिए शहर के सकरे मार्गों का निरीक्षण, सुधार कार्यों के निर्देश

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार बुधवार को अनुविभागीय दंडाधिकारी बैतूल डॉ. अभिजीत सिंह ने शहर के मुख्य क्षेत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य शहर की सकरी गलियों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आपातकालीन स्थिति के दौरान वाहनों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान तहसीलदार नगर श्रीमती पूनम साहू , पुलिस विभाग से थाना प्रभारी श्री नीरज पाल एवं गंज थाना प्रभारी श्रीमती शिफा हुसैन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, राजस्व विभाग से आरआई नजूल एवं आरआई नगर पोटफोडे, नगर पालिका के सीएमओ एवं इंजीनियर, मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कंपनी से जेई श्री कमलेश खोबरागड़े सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। टीम द्वारा शहर की उन गलियों एवं क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया जहां मार्ग अत्यंत संकरे हैं और आपातकाल में फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस जैसे वाहनों के प्रवेश में बाधा उत्पन्न हो सकती है। निरीक्षण के दौरान नालों की सफाई, पेयजल पाइपलाइन की सुरक्षा, अतिक्रमण हटाने, तथा अनावश्यक रूप से लटके बिजली के तारों को दुरुस्त करने जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। अनुविभागीय दंडाधिकारी डॉ. सिंह ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि निरीक्षण के आधार पर आवश्यक कार्यों की डीपीआर तैयार कर शीघ्र सुधार कार्य प्रारंभ किए जाएं, ताकि शहर में आपातकालीन सेवाओं की सुचारू और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

भोपाल संभागायुक्त श्री सिंह ने दीवानगंज क्षेत्र में भ्रमण कर एसआईआर की कार्य प्रगति का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। भोपाल संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने आज रायसेन के दीवानगंज में मतदान केंद्रों का भ्रमण कर एसआईआर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बीएलओ से फॉर्म 6, 7 तथा 8 के कार्य प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान रायसेन एसडीएम श्री मनीष शर्मा तथा बीएलओ से विस्तृत जानकारी ली तथा मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में सटीकता, पारदर्शिता और समयसीमा का पालन करने के निर्देश देते हुए कहा कि डोर टू डोर सत्यापन के दौरान मृत, स्थानांतरित एवं दोहरे नामों की पहचान सजगता से की जाए और दस्तावेजों का परीक्षण गंभीरता से हो।

स्वामी विवेकानंद जी के विचार युवाओं में ऊर्जा का संचार करते हैं: श्री पंवार

रायसेन (निप्र)। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती ''युवा दिवस'' के अवसर पर जिले के सभी स्कूल-कॉलेजों, आश्रम-शालाओं सहित सभी शैक्षणिक संस्थानों में सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रम आयोजित किए गए। रायसेन स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार तथा सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी द्वारा स्वामी विवेकानंदजी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत स्वामी विवेकांनदजी की वाणी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का प्रसारण सुना गया। खेल स्टेडियम में आकाशवाणी से प्रसारित कार्यक्रम के अनुरूप प्रभारी मंत्री श्री पंवार, सांची विधायक डॉ चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व कैबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह छात्र-छात्राओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने एक साथ सामूहिक सूर्यनमस्कार किया और अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, प्राणायाम आदि योगासन किए गए। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि स्वामी विवेकानंदजी का जन्मदिवस युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद जी के विचार युवाओं में नई ऊर्जा का संचार करते हैं तथा सभी को स्वामी विवेकानंदजी के आदर्शों और विचारों से प्रेरित होकर अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग हमारी भारतीय परम्परा का हिस्सा है। योग से सभी का बौद्धिक, मानसिक और शारीरिक विकास होता है और क्षमताओं में वृद्धि होती है। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंदजी का 'उठो-जागो और तब तक मत रूको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो' का संदेश परमात्मा द्वारा व्यक्ति को प्रदान किए गए असीम ऊर्जा के भण्डार का अनुभव कराकर अपने स्वप्न और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूरी क्षमता से प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। स्वामी विवेकानंद के विचार न केवल युवाओं को सशक्त बनाते हैं, बल्कि हमें समाज और देश के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की भी अनुभूति कराते हैं। सभी स्वामी विवेकानंद के सपनों को पूरा करने के लिए एकजुट हों और राष्ट्र को शक्तिशाली एवं समृद्ध बनाने में योगदान दें। कार्यक्रम में सांची विधायक डॉ चौधरी ने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी को जीवन में योग अपनाना चाहिए। योगाभ्यास से हमारा शरीर तो स्वस्थ्य होता ही है, मानसिक रूप से भी सुदृढ़ होते हैं। एकाग्रता और सीखने की क्षमता में भी वृद्धि होगी। विद्यार्थी नियमित सूर्य नमस्कार करें तो उनकी कुषाग्रता में वृद्धि होगी जो लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने में सहायक होगी। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता सेन ने भी संबोधित किया। तीन हजार से अधिक बच्चों ने किया सामूहिक सूर्यनमस्कार रायसेन स्थित खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक सूर्यनमस्कार, प्राणायाम कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री श्री पंवार, विधायक डॉ चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा, पूर्व कैबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता, डीएफओ श्रीमती प्रतिभा शुक्ला, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, एएसपी श्री कमलेश कुमार तथा श्री राकेश शर्मा सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राओं द्वारा एक साथ एक संकेत पर सामूहिक सूर्यनमस्कार किया गया।

शरीरबल, मनोबल, आत्मबल और ब्रह्मबल के लिए सूर्य नमस्कार आवश्यक : दुर्गादास उईके

बैतूल (निप्र)। स्वामी विवेकानंद जी की 163वीं जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन जेएच कॉलेज परिसर में किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री सुधाकर पवार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, जिला शिक्षा अधिकारी श्री अनिल कुशवाह, एसडीएम डॉ. अभिजीत सिंह तथा स्वामी स्वाम्यानंद जी महाराज, श्री मदान सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, युवा और बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती कृष्णा हजारे द्वारा किया गया। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया , जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रेरक उद्बोधन का श्रवण उपस्थित जनों ने किया। सभी प्रतिभागियों ने अनुशासित रूप से सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम के तीन-तीन चक्रों का अभ्यास किया। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके ने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने विषम परिस्थितियों में भी भारत की गौरवशाली संस्कृति और दर्शन को विश्व पटल पर प्रतिष्ठित किया। उन्होंने कहा था कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त व्यक्ति ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति कर सकता है। स्वामी विवेकानंद जी का व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कहा कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और युवाओं के कंधों पर देश के भविष्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के गुण तप , त्याग और भक्ति को जीवन का आधार बताते हुए कहा कि मजबूत शरीर और चरित्र वाला व्यक्ति ही राष्ट्र को सही दिशा दे सकता है। उन्होंने शरीरबल, मनोबल, आत्मबल और ब्रह्मबल की व्याख्या करते हुए कहा कि इन चारों बलों के विकास के लिए सूर्य नमस्कार अत्यंत आवश्यक है। युवाओं को भयमुक्त होकर शरीर को मजबूत और चरित्र को सुदृढ़ बनाना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महाविद्यालय और स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

विधायक डॉ चौधरी ने रतनपुर आंगनवाड़ी केन्द्र में 25 बच्चों को वितरित की फूड किट

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों तथा आमजन के सहयोग से कुपोषित बच्चों को पोषण आहार किट वितरित की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में रतनपुर आंगनवाड़ी केन्द्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा फूड बॉस्केट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विधायक डॉ चौधरी द्वारा आंगनवाड़ी क्षेत्र के 25 बच्चों को फूड किट वितरित की गई। इस अवसर पर विधायक डॉ चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा ने उपस्थितजनों को संबोधित भी किया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, महिला बाल विकास विभाग के प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री मनमोहन कुशराम सहित महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम जिले में हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार का भव्य कार्यक्रम

25 स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने सूर्य नमस्कार के 12 आसनों का किया अभ्यास

नर्मदापुरम (निप्र)। स्वामी विवेकानंद के जन्म जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष देश एवं प्रदेश में सामूहिक सूर्य नमस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। सूर्य नमस्कार का भव्य कार्यक्रम नर्मदा महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों एवं 25 स्कूलों के लगभग 3000 छात्र-छात्राओं ने सूर्य नमस्कार के 12 आसनों और तीन चक्र का अभ्यास किया। योग गुरु नरेंद्र गुरु जी ने सभी को सामूहिक सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। आकाशवाणी से राष्ट्रगीत वंदे मातरम तथा स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म सभा में दिए गए उद्बोधन का प्रसारण किया गया। भोपाल में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि सूर्य नमस्कार व्यक्तित्व के साथ चरित्र निर्माण को भी निखारता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से कहा कि वह पाठ्य पुस्तक पढ़ने की आदत डालें, पर्यावरण का संरक्षण करें, अधिक से अधिक पेड़ लगाए। हर प्रकार के नशे से दूर रहें।

जंक फूड से दूर रहें। सूर्य नमस्कार को अपने दैनिक दिनचर्या का एक अंग बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूर्य नमस्कार निराशा को दूर कर मन को आशा से भर देता है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में जो कहा वह गीता के ही शब्दों का उद्बोधन था। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने सभी से कहा कि अपने जीवन में प्रत्येक क्षण आनंद से जिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार आगे बढ़ रहा है और हमारी संस्कृति एवं धर्म की रक्षा हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को अपनी संस्कृति एवं धर्म पर पर गर्व होना चाहिए।

नर्मदापुरम जिले के पीएम श्री नर्मदा महाविद्यालय के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने भी छात्र-छात्राओं के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। उन्होंने इस अवसर पर सभी को प्रतिदिन सूर्य नमस्कार करने की समझाइश दी व श्रीमती नारोलिया ने कहा कि हम सूर्य नमस्कार को प्रतिदिन अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें, इससे मन और मस्तिष्क तथा शरीर स्वस्थ रहता है। योग की एक कड़ी में सूर्य नमस्कार का भी एक बिंदु सम्मिलित रहता है। उन्होंने शिक्षा विभाग के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और कहां की आज सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम में शामिल हुए हैं जिससे एक विहंगम एवं मनोहारी दृश्य उत्पन्न हो रहा है। उन्होंने कहा कि नित्य प्रति सूर्य नमस्कार करने से शरीर में स्फूर्ति एवं मन में संतोष बना रहता है और यह दिनभर सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करता है। सूर्य नमस्कार करने से जीवन में सक्रियता एवं गति बनी रहती है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर श्री राजीव रंजन पांडे, श्री अनिल जैन श्री बृजेंद्र रावत सहित प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षक गणों ने भी सूर्य अभ्यास के कार्यक्रम में शामिल होकर सूर्य नमस्कार का सामूहिक अभ्यास किया।

प्रिंसिपल का ट्रांसफर नहीं तो स्कूल में ताला लगाएंगे

● भोपाल के खितवास में ग्रामीणों की चेतावनी, कलेक्टर-जिपं सीईओ को पत्र लिखा

भोपाल। भोपाल के खितवास स्थित हाईस्कूल में प्रिंसिपल के ट्रांसफर को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन की चेतावनी दी है। इसे लेकर उन्होंने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और जिपं सीईओ इला तिवारी को पत्र भी लिखा है। कहा कि 7 दिन के अंदर प्रिंसिपल का ट्रांसफर नहीं हुआ तो स्कूल में ताला लगा देंगे। दरअसल, दो दिन पहले सोमवार को शाला प्रबंध समिति और ग्रामीणों ने स्कूल का दौरा किया था। इस दौरान स्कूल की प्राचार्य संगीता देशपांडे अनुपस्थित मिली थीं। इस पर समिति और ग्रामीणों ने उपस्थिति रजिस्टर भी देखा, जिसमें प्राचार्य की लगातार अनुपस्थित पाई गईं। इस पर समिति ने पंचनामा भी बनाया। पंचनामे की कॉपी कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को भी दी गई है। इसमें लिखा कि अनुपस्थिति पर सरपंच ने प्राचार्य से मोबाइल पर बात की, लेकिन उनका रवैया संतोषजनक नहीं था। पंचनामे में बताया कि स्कूल में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी ग्रामीणों को नहीं दी जाती है। वे तीन साल से स्कूल में पदस्थ हैं। पंचनामे की कॉपी कलेक्टर और सीईओ को भेजी गई। इसमें कहा कि प्राचार्य का तबादला 7 दिन के अंदर कर दिया जाए। ऐसा नहीं होता है तो सभी ग्रामीण और समिति सदस्य स्कूल में ताला लगा देंगे।

एमपी में विकास के नए आयाम स्थापित कर रही डबल इंजन सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप और 'प्रगति' की समीक्षा की

कहा- प्लेटफार्म से देश में अटकी निवेश परियोजनाओं को पुनः किया गया सक्रिय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व एवं केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार के प्रभावी समन्वय के फलस्वरूप आज देश में बुनियादी ढांचा विकास को गति मिल रही है। प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप (पीएमजी) और प्रोएक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इंप्लीमेंटेशन (प्रगति) प्लेटफार्म की शुरुआत होने से देश में अटकी हुई निवेश परियोजनाओं को पुनः सक्रिय किया गया है। इस संस्थागत व्यवस्था से केंद्र और राज्य के सभी हितग्राहियों को एक मंच पर लाकर निर्णय-निर्माण प्रक्रिया को तेज किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, स्पष्ट नीति-निर्देश एवं प्रो-एक्टिव गवर्नेंस से भी देश में दशकों से लम्बित परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करना संभव हुआ है। राजनैतिक आपाधापी के साथ, व्यवस्थाओं में हो रहे सुधार को समझना सभी के लिए आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व तथा केंद्र और राज्य में डबल इंजन सरकार के प्रभावी समन्वय के परिणाम स्वरूप प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की उपलब्धियों मीडिया प्रतिनिधियों से साझा की। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने प्रोएक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इंप्लीमेंटेशन (प्रगति) पर प्रेजेंटेशन दिया।

प्रदेश को 209 बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात मिली

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों के माध्यम से प्रदेश में 209 बड़े प्रोजेक्ट्स की सौगात मिली है। इनमें से 2 लाख 61 हजार 340 करोड़ निवेश वाली 108 केंद्रीय विकास परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। प्रदेश में अभी 5 लाख 24 हजार 471 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 101 परियोजनाएं क्रियान्वयन के अधीन हैं। केंद्रीय परियोजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश ने 97 प्रतिशत सफलता हासिल की है। इन परियोजनाओं में रेल मंत्रालय की 14, सड़क परिवहन मंत्रालय की 13, विद्युत मंत्रालय की 5 और नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर वन्यजीव पर्यटन योजनाओं को आगे बढ़ा रही है। प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीते अपना घर बना चुके हैं। धार के पीएम मित्र पार्क से कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केंद्र और राज्यों के बीच परस्पर समन्वय ही हमारी सबसे शक्ति है। जब विभाग आपस में समन्वय से काम करते हैं, तो विकास की रफ्तार दोगुनी हो जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शासन की व्यवस्थाओं को केवल प्रक्रियात्मक न रखकर परिणामोन्मुख और जवाबदेह बनाया, जहां प्रत्येक परियोजना की प्रगति, बाधा और समाधान की सीधी निगरानी सुनिश्चित की गई है। पहले जहां सामान्यत- बड़ी योजनाएं कागजों पर तो बहुत भव्य दिखती थीं, लेकिन धरातल पर साकार होने से पहले ही विभागों के आपसी तालमेल की कमी के कारण निष्प्रभावी हो जाती थीं। अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने पीएमजी और प्रगति पोर्टल से पुरानी प्रणाली को जड़ से खत्म कर असंभव दिखने वाली परियोजनाओं को साकार किया है। अब देश में विकास के साथ आवश्यकताओं का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है।

केन्द्र और राज्य मिलकर कर रहे विकास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम 'प्रगति' और प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप के माध्यम से मध्यप्रदेश में ऐसा ईको-सिस्टम तैयार हो चुका है जहां केंद्र और राज्य सरकार मिलकर आधुनिक तकनीक के बल पर अधोसंरचना विकास की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समय पर पूरा कर रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने समय, लागत और विश्वास तीनों स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। अपनी जिम्मेदारियों के साथ कार्य पूर्ण करना सुशासन (गुड गवर्नेंस) का प्रमाण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दुनिया के सामने भारत सरकार की एक विशिष्ट छवि बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्यों के बीच राजनैतिक दृष्टि से भले ही दलों में मतभिन्नता हो, लेकिन राष्ट्र के विकास की दृष्टि से सभी राज्यों का महत्व है। 'प्रगति' पोर्टल से देश के विकास में भू-गर्भ संपदा का दोहन देशहित में अधिक प्रभावी तरीके से होगा। भारत सरकार के अधिकारी इस पोर्टल से राज्य तथा अन्य मंत्रालयों में आने वाली प्रक्रियागत कठिनाइयों को समय रहते दूर कर लेंगे। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना पर पिछली सरकार में ध्यान नहीं दिया गया, अब प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में 3 नदी परियोजनाओं पर कार्य हो रहा है। बदलते दौर में केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय बेहतर हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रेलवे की 285 किलोमीटर लम्बी जबलपुर-गोंदिया गेज परिवर्तन परियोजना से अब मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के बीच सीधा और अधिक क्षमता वाला रेल संपर्क स्थापित हो गया है। इससे प्रदेश के जबलपुर, बालाघाट, मंडला, सिवनी जिले की कनेक्टिविटी नागपुर, मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों से बढ़ गई है। अब जबलपुर से सीधे गोंदिया, कोलकाता और चेन्नई के लिए ट्रेन उपलब्ध रहेगी। मध्यप्रदेश को 18.5 हजार करोड़ लागत की इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन की सौगात भी मिली है। इसका लाभ उज्जैन को भी मिलेगा। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि प्रगति प्लेटफार्म की शुरुआत 25 मार्च 2015 को हुई थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शुभारंभ अवसर पर कहा था कि 'आज पूरा विश्व भारत को बड़ी उत्सुकता से देख रहा है। ऐसे समय में यह अत्यंत आवश्यक है कि भारत की शासन-व्यवस्था और अधिक प्रभावी, और अधिक संवेदनशील बने। इसी दिशा में 'प्रगति पोर्टल' महत्वपूर्ण कदम है।' प्रगति की 50वीं बैठक 31 दिसम्बर 2025 को सम्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की पीएमजी एवं 'प्रगति' पोर्टल की अभिनव पहल से बुनियादी ढाँचा विकास परियोजना और नागरिक शिकायतों का तेजी से परिणामोन्मुख समाधान सुनिश्चित हुआ है। डिजिटल, इंटरैक्टिव एवं जवाबदेही आधारित प्रगति प्लेटफॉर्म से 'नीति नहीं निष्पादन, घोषणा नहीं डिलीवरी और समीक्षा नहीं समाधान' का भाव सार्थक हुआ है। मुख्य सचिव श्री जैन ने मध्यप्रदेश में जारी केंद्रीय परियोजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में कुल 209 परियोजाएं पीएमजी पोर्टल की निगरानी में हैं। इसमें प्रमुख रूप से ऊर्जा, परिवहन, दूरसंचार, बिजली उत्पादन, सड़क और राजमार्ग, रेलवे, कोयला, तेल और गैस, मेट्रो रेल, नवकरणीय ऊर्जा एवं शहरी अवसंरचना की परियोजनाएं शामिल हैं। पीएमजी समीक्षा में सामने आए केंद्रीय परियोजनाओं के संबंधित 322 मुद्दों में से राज्य सरकार ने 312 का समाधान किया। इसी प्रकार 'प्रगति पोर्टल' के माध्यम से 39 परियोजनाओं की समीक्षा की गई, जिसमें सामने आए 124 मुद्दों में से 120 का समाधान किया गया। राज्य सरकार ने पीएमजी और प्रगति दोनों की समीक्षा में 97 प्रतिशत समस्याओं को हल किया। मुख्य सचिव श्री जैन ने कहा कि मध्यप्रदेश ने केंद्रीय परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर दक्षता और गति के नए मानक स्थापित किए हैं। इस मामले में मध्यप्रदेश का औसत बेहतर रहा है।

सीधा है रास्ता, पर बोर्ड कह रहा 'दाहिने मुड़ें'

एमपी के सबसे लंबे फ्लाईओवर पर दिशा बताने वाले बोर्ड ही गलत

जबलपुर। मध्य प्रदेश का सबसे लंबा, करीब 7 किलोमीटर का फ्लाईओवर, जो 1100 करोड़ की लागत से 6 साल में बनकर तैयार हुआ। अब अपने पांच महीने पूरे करने जा रहा है।

इसके बावजूद, फ्लाईओवर पर नेविगेशन इंडिकेटर्स में खामियां बनी हुई हैं, जिससे राहगीर भ्रमित हो रहे हैं। सीधे जाने वाले रास्तों पर गलत दिशा के संकेत दिख रहे हैं, और इस समस्या को उजागर करने के लिए एक कॉन्स्टेबल ने वीडियो भी बनाया है। बड़े-बड़े डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड पर भी आगे आने वाली जगहों की दिशाएं गलत दिखाई जा रही हैं। सीधे जाने वाले रास्ते पर राइट टर्न के संकेत दिख रहे हैं, जिससे राहगीर भ्रमित हो रहे हैं। इस भूलभुलैया से लोगों को बचाने के लिए एक कॉन्स्टेबल ने एक वीडियो बनाया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है। गोहलपुर से ब्रिज पर चढ़ने के करीब एक किलोमीटर आगे दमोह नाका चौराहा आता है। यहां से सीधा जाने पर रानीताल और मदन महल आते हैं। जबकि दमोह नाका चौराहे पर लगे डिस्प्ले बोर्ड में रानी ताल और मदन महल जाने के लिए दाहिनी तरफ जाने का संकेत दिखाई दे रहा है। इसके चलते लोगों को कन्फ्यूजन होता है और वे गलती से दाहिने तरफ मुड़ जाते हैं। इसके बाद उन्हें कई किलोमीटर गलत घूमना पड़ जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना भी बनती है। इस तरह के कई डिस्प्ले बोर्ड नए लोगों को गलत दिशा में भेजने वाले इंडिकेशन दे रहे हैं।

जबलपुर के एक पुलिस कांस्टेबल शशांक तिवारी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे मध्य प्रदेश के सबसे लंबे फ्लाईओवर की खामियों की बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में पुलिस जवान कह रहे हैं कि यह मध्य प्रदेश का सबसे लंबा फ्लाईओवर है लेकिन ये फ्लाईओवर हमारे जबलपुर के लोगों के लिए बहुत ही बड़ा भुलभुलैया साबित होता है। यहां पर कोई इंडिकेशन ठीक तरीके से नहीं दिए गए हैं। जो भी इंडिकेशन दिए हैं, वे ऐसे हैं कि लोगों को समझ नहीं आते हैं कि इंडिकेशन के हिसाब से सड़क से किस तरफ से उतरें। उन्होंने वीडियो में कुछ तरीके बताए जिससे लोग कन्फ्यूजन से बच सकते हैं।

प्रत्येक पात्र हितग्राही को संकल्प से समाधान अभियान का मिले लाभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संकल्प से समाधान अभियान जनसामान्य को कल्याणकारी हितग्राही मूलक योजनाओं का सुगमता से लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरंभ किया गया है। अभियान के अंतर्गत समय-सीमा में पारदर्शी तरीके से गतिविधियां सुनिश्चित की जाएं। किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार को बरदार्शत नहीं किया जाएगा, दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संकल्प से समाधान अभियान की बुधवार को समीक्षा के लिए आयोजित संभागायुक्तों की बैठक में दिए। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई सहित संभागायुक्त बैठक में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभियान के अंतर्गत योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जाए। हमारा प्रयास है कि सभी हितग्राहियों को योजनाओं की आवश्यक जानकारी हो।

छिंदवाड़ा में लावारिस मिठाई खाने से तीसरी मौत

दादा-पोती की गई जान, परिजन बोले- विवाद के चलते साजिश की गई

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में होटल में छोड़ी गई लावारिस मिठाई खाने से बुधवार को तीसरी मौत हो गई। मंगलवार देर रात बीमार खुशबू को छिंदवाड़ा से नागपुर रेफर किया गया था। यहां इलाज के दौरान आज सुबह 6:30 बजे उसने दम तोड़ दिया। उसके शरीर के सभी अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। जानकारी के अनुसार, पीएचई विभाग के पास स्थित एक होटल में कोई मिठाई की थैली छोड़ गया था। जब कोई थैली लेने नहीं लौटा तो पीएचई गार्ड दशरू यदुवंशी (53) ने मिठाई का डिब्बा निकाल लिया। उसने वहीं मौजूद सुंदर लाल कथूरिया (72), उनकी पत्नी संतोषी बाई और पोती खुशबू के साथ मिठाई खा ली। इसके बाद तीनों की तबीयत बिगड़ गई। 11 जनवरी को गार्ड की मौत हो गई। इसके दो दिन बाद मंगलवार को सुंदर लाल ने दम तोड़ दिया। अब खुशबू (27) की भी जान चली गई। संतोषी बाई की हालत गंभीर है। मृतक खुशबू की बहन मुस्कान खरे का कहना है, खुशबू का ससुराल पक्ष से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके बाद वह पिछले एक माह से मायके में रह रही थी। इसी दौरान यह घटना हुई। आशंका है कि परिवार के खिलाफ साजिश की गई है। जुन्नारदेव थाना प्रभारी राकेश बघेल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। होटल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहे हैं। साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. सुरेश नागवंशी के अनुसार, फूड सैंपल और पोस्टमॉर्ट्म रिपोर्ट के आधार पर मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि की जाएगी।

एमपी के सीधी की अनामिका बैगा अब बनेगी डॉक्टर

मोहन सरकार ने नीट की तैयारी के लिए कर दी कोचिंग की व्यवस्था

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में सीएम की सभा में रोने वाली आदिवासी छात्रा अनामिका बैगा के लिए अच्छी खबर है। सीएम मोहन यादव ने उसकी फरियाद सुन ली है। साथ ही उसके पढ़ने की व्यवस्था कर दी है। भोपाल के कोचिंग संस्थान में नीट की तैयारी के लिए उसका एडमिशन करवाया जा रहा है। दरअसल, अपनी फरियाद लेकर सुरक्षा कारणों से अनामिका सीएम से नहीं मिल पाई थी। मगर मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री मोहन यादव तक उसकी आवाज पहुंच गई थी। वह अपनी बातें कहते हुए फफक-फफक कर रो रही थी। इसके बाद सीएम ने कहा था कि हम उसकी पढ़ाई की व्यवस्था करेंगे। वह पढ़ लिखकर अच्छा डॉक्टर बनेगी। सीधी कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने छात्रा को कलेक्ट्रेट बुलाकर पूरी जानकारी ली थी। साथ ही हर संभव प्रयास का आश्वासन दिया था। मुख्यमंत्री की पहल पर भोपाल ज्ञान शिखर एकेडमी में अनामिका बैगा प्रवेश कराया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह आदिवासी बच्ची अनामिका बैगा परिजनों के साथ बुलाकर नीट की तैयारी के लिए प्रवेश की जानकारी दी। इससे छात्रा के चेहरे पर मुस्कान दिखी है। साथ ही सरकार और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। गौरतलब है कि अनामिका बैगा आदिवासी समाज से आती है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। वह गांव से बाहर पढ़ाई के लिए निकली है लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, जिसकी वजह से आगे की पढ़ाई वह कर पाने में असमर्थ थी। इसी वजह से वह सीएम से मदद मांग रही थी। अब मदद मिल गई है।

घटना स्थल पर ही मॉडर्न ट्रीटमेंट मिलने से बचेगी जान

एम्स भोपाल-आआईटी इंदौर बना रहे दुनिया का पहला पोर्टेबल 3डी एक्स-रे

भोपाल। भारत में सड़क हादसों और ग्रामीण इलाकों में घायल मरीजों की मौत का सबसे बड़ा कारण समय पर मॉडर्न ट्रीटमेंट न मिल पाना है। सीटी स्कैन जैसी जरूरी जांचें सीमित सेंटर्स में ही उपलब्ध हैं, जिसके चलते मरीज इलाज से पहले ही गंभीर स्थिति में पहुंच जाते हैं। इसी समस्या का समाधान ढूंढने के लिए AIIMS भोपाल और IIT इंदौर ने मिलकर एक ऐसी डिवाइस बनानी शुरू की है, जो अस्पताल से बाहर ही सीटी स्कैन जैसी हाई-डेफिनेशन 3D इमेज दे सकेगी। ढ्रष्टस्क्र ने इस प्रोजेक्ट को मंजूरी देते हुए 8 करोड़ रुपए की फंडिंग स्वीकृत कर दी है। दावा है कि यह दुनिया की पहली AI बेस्ड पोर्टेबल थ्री-डी एक्स-रे यूनिट होगी। अकेले मध्यप्रदेश में हर साल डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों और घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। इनमें कई मरीज समय पर इलाज न मिलने के कारण जान गंवा देते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के विश्लेषण में पाया गया कि ट्रॉमा मरीजों की मौत में सबसे बड़ा योगदान जांच तक की दूरी का है। शहरों से बाहर सीटी स्कैन जैसी तकनीक लगभग उपलब्ध नहीं होती। जब तक प्राथमिक केंद्र से रेफर होकर मरीज बड़े शहर पहुंचता है, तब तक उसकी हालत गंभीर हो चुकी होती है।

अभी टेक्नोलॉजी महंगी और गैर-पोर्टेबल- वर्तमान समय में उपलब्ध आधुनिक जांच तकनीक काफी महंगी है और उसे लगाने के लिए बड़े केंद्र, विशेषज्ञ टीम और भारी मशीनरी की जरूरत होती है।

ट्रॉमा मरीजों की जांच के लिए सबसे जरूरी मानी जाने वाली सीटी स्कैन मशीनें केवल बड़े अस्पतालों में ही हैं। यह कमी मरीजों के सामने दो बड़ी रुकावटें पैदा करती है। सही जांच नहीं होने से इलाज सही दिशा में नहीं हो पाता है। दूसरी तरफ समय की कमी के कारण जान का खतरा बढ़ जाता है। नई पोर्टेबल यूनिट इन दोनों चुनौतियों का सीधा समाधान होगी। AIIMS भोपाल और IIT इंदौर एक ऐसी यूनिट बना रहे हैं, जो बेहद कम रेडिएशन के साथ सीटी स्कैन जैसी थ्री-डी इमेज दे सके। यह यूनिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एडवांस्ड कम्प्यूटेशनल प्रोसेसिंग पर आधारित होगी। इसमें एक्स-रे आधारित इमेज को मल्टी-एंगल तरीके से कैप्चर किया जाएगा। AI ऐल्गोरिद्म इमेज को 3D फॉर्म में कन्वर्ट करेगा। रेडिएशन सीटी स्कैन की तुलना में लगभग 500 गुना कम होगा और इमेज मोबाइल या स्क्रीन पर दिख जाएगी। इससे डॉक्टर बिना अस्पताल जाए चोट की वास्तविक स्थिति समझ पाएंगे।

इमरजेंसी के लिए किया डिजाइन- AIIMS भोपाल के मैक्सोफेशियल सर्जन डॉ. बी.एल. सोनी और डॉ. अंशुल राय इस प्रोजेक्ट के प्रमुख शोधकर्ता हैं। डॉ. राय ने बताया कि मशीन पूरी तरह पोर्टेबल होगी और इसे एंबुलेंस व आपदा स्थल पर भी चलाया जा सकेगा। इससे फायदा यह होगा कि सड़क हादसों में मौके पर जांच हो सकेगी। गांवों में बिना रेफर किए मरीज का मूल्यांकन किया जा सकेगा। वहीं, गोल्डन आवर में ही सही इलाज शुरू किया जा सकेगा। यानी अस्पताल जाने से पहले ही बचाव संभव होगा।

तीन चरणों में पूरी होगी मशीन

पहला चरण: शरीर के विशेष अंग (फेस एंड हेड) की 3D इमेजिंग तैयार करने वाली मशीन तैयार करेंगे। दूसरा चरण: फुल-बॉडी स्कैनिंग मशीन तैयार करेंगे। तीसरा चरण: कैंसर रेडिएशन मैपिंग के लिए नई यूनिट तैयार करेंगे। 1224 रिसर्च प्रस्तावों में से सिर्फ 38 चुने गए, MP से एक। देशभर से इस साल ICMR को 1224 रिसर्च प्रस्ताव मिले थे।

इनमें से सिर्फ 38 को स्वीकृति मिली है। मध्यप्रदेश से मात्र एक ही प्रोजेक्ट चुना गया। यही पोर्टेबल 3D एक्स-रे यूनिट वाला। ICMR ने प्रोजेक्ट को फंड करते हुए 8 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। आने वाले महीनों में इसका पहला मॉडल तैयार होने की उम्मीद है। शोधकर्ताओं की योजना है कि तकनीक सफल होने पर इसे कॉमर्शियल रूप में बाजार में उतारा जाए, ताकि भारत ही नहीं, दूसरे देशों में भी उपलब्ध हो सके।